TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | रविवार को दो बूंद जिंदगी की अवश्य पिलाएं: सीएमओ (पेज-3) | पृष्ठ- 6 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | रविवार | दिनांक- 22.11.2026

राहुल के समझौता करने वाले पीएम से जुड़े बयान पर बरसे रिजिजू

'1962 की हार पर माफी मांगे कांग्रेस'

एजेंसी, नई दिल्ली।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'समझौता करने वाले प्रधानमंत्री' वाली टिप्पणी पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पलटवार किया है। उन्होंने कांग्रेस से चार सवाल पूछते हुए कहा कि पार्टी को 1962 के युद्ध में मिली हार के लिए माफी मांगनी चाहिए। साथ ही उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस के शासन में भारत गरीब देश क्यों बना रहा और देश की अर्थव्यवस्था को 'हिंदू ग्रोथ रेट' क्यों कहा गया?

किरेन रिजिजू ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस से चार सवालों के जवाब मांगे। उन्होंने लिखा, कांग्रेस को चार सवालों के जवाब देने चाहिए।

रिजिजू की यह टिप्पणी राहुल गांधी के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने चीन में गुरुवार को एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दौरान हुई त्रिपक्षीय बैठक को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा था। इस बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शामिल हुए थे।

मुंबई के पार्क में कपल पर हमला

आठ नाबालिगों पर एफआईआर दर्ज, किरीट सोमैया बोले- मुस्लिम शहर बनाने की साजिश

एजेंसी, मुंबई।



मुंबई के कुर्ला इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां फीनिक्स मॉल के पास स्थित प्रमोद महाजन म्युनिसिपल पार्क में कुछ नाबालिग लड़कों ने एक कपल पर हमला कर दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह घटना शुक्रवार को हुई। हमले के समय 22 साल का युवक और उसकी 21 साल की गर्लफ्रेंड पार्क में तस्वीरें ले रहे थे।

8 नाबालिगों पर एफआईआर दर्ज

इस पूरी घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। वीडियो सामने आने के बाद युवती की शिकायत के आधार पर घाटकोपर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। पुलिस ने इस मामले में शामिल 8 नाबालिगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 189(2), 189(4), 118(1), 352 और 351(2) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। मुंबई पुलिस ने कहा है कि इन सभी नाबालिगों को किशोर न्याय बोर्ड (जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड) के सामने पेश किया जाएगा और इनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी।

किरीट सोमैया ने लगाया साजिश का आरोप

इस मामले पर अब राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। शनिवार को मीडिया से बात करते हुए भाजपा नेता किरीट सोमैया ने दावा किया कि हमला करने वाले 10 लड़के मुस्लिम थे। सोमैया ने आरोप लगाया कि उन लड़कों ने कपल को डंडों से पीटा और उनके कपड़ों को लेकर आपत्ति जताई। उन्होंने यह भी दावा किया कि लड़कों ने कपल को अपने इलाके में आने पर धमकाया। किरीट सोमैया ने इस घटना को मुंबई को एक 'मुस्लिम शहर' में बदलने की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि मुंबई में इस्लामिक आतंकवाद को पनपने नहीं दिया जाएगा और नाबालिग आरोपियों के माता-पिता के खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

पार्कों में सुरक्षा और सीसीटीवी की मांग

दूसरी तरफ, महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष अमित साटाम ने इस घटना के बाद शहर के पार्कों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) और मुंबई पुलिस से सभी गार्डनों की सुरक्षा की समीक्षा करने की अपील की है। साटम ने कहा कि वीडियो देखने के बाद लगता है कि कई पार्कों में सुरक्षा के इंतजाम पुख्ता नहीं हैं। उन्होंने नगर निगम से सभी गार्डनों में जल्द से जल्द सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

जनवरी के दूसरे सप्ताह में कोलकाता में जुटेगा इंडी गठबंधन, ममता बनर्जी करेंगी मेजबानी

कोलकाता। भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकजुटता को देशव्यापी अभियान में बदलने की रणनीति के तहत आइएनडीआइए गठबंधन जनवरी 2027 के दूसरे सप्ताह में कोलकाता में बड़ी जनसभा आयोजित करने की तैयारी कर रहा है। इस प्रस्ताव को लेकर कांग्रेस, ममता तृणमूल और गठबंधन के अन्य सहयोगी दलों के बीच बातचीत शुरू हो गई है। माकपा समेत वामपंथी दलों से भी इस संबंध में विचार-विमर्श किया जा रहा है। नवंबर के पहले सप्ताह में दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी दलों की बड़ी रैली के बाद अब इस अभियान को विभिन्न राज्यों तक ले जाने की योजना है। इसी क्रम में 12 दिसंबर को भोपाल और 17 दिसंबर को अहमदाबाद में जनसभाएं प्रस्तावित हैं।साल के अंतिम दिनों और नए साल की शुरुआत के व्यस्त कार्यक्रमों को देखते हुए कोलकाता की रैली जनवरी के दूसरे सप्ताह में आयोजित करने पर विचार हो रहा है। कांग्रेस की ओर से इस प्रस्ताव पर ममता बनर्जी से बातचीत की गई है।

चुनौती को चुनौती देना मेरी आदत: मोदी

कोलकाता।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आइआइटी खड़गपुर के प्लेटिनम जुबली समारोह में युवाओं से सीमित सोच से बाहर निकलकर देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

पीएम ने कहा कि मेरे स्वभाव में ही है कि मैं चुनौती को चुनौती दिए बिना रह नहीं सकता। प्रधानमंत्री ने अगले दो दशकों को युवाओं और देश के भविष्य के लिए निर्णायक बताते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने में आज के विद्यार्थियों की अहम भूमिका होगी।

पीएम मोदी ने आइआइटी खड़गपुर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए कहा कि संस्थान उस परिसर में स्थापित है, जहां कभी स्वतंत्रता सेनानियों को नजरबंद रखा जाता था। उन्होंने विद्यार्थियों से उस दौर की कल्पना करने को कहा, जब इस स्थान पर बंद स्वतंत्रता सेनानी देश की आजादी और भविष्य को लेकर विचार करते थे।

प्रधानमंत्री के अनुसार, तब यहां स्वशासन का सपना देखा जा रहा था और आज इसी धरती पर तैयार हो रही नई पीढ़ी अपने ज्ञान और नवाचार से देश को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दे रही है।



सोच के उदाहरण गिनाए

प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक गरीबी को स्थायी समस्या मान लिया गया था। पांच दशक पहले लाल किले से गरीबी हटाने के नारे दिए जाते थे, लेकिन नीतिगत कार्रवाई के समय व्यवस्था फाइलों में उलझी रहती थी।

पीएम ने गरीबों के घरों में शौचालय बनाने की पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि संसद में इसका मजाक उड़ाया गया था, जबकि यह गरीब महिलाओं और माताओं की गरिमा तथा सुरक्षा से जुड़ा विषय था। उन्होंने सरकार की नीति को गरीबों को सहायता देने के बजाय उन्हें सशक्त बनाने की कोशिश बताया।

50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए

मोदी ने विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पिछले 12-13 वर्षों में देश के करीब 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच प्रतिदिन 4.20 डालर की आय सीमा से नीचे रहने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गया। इस अवधि में करीब 49.6 करोड़ लोग इस गरीबी सीमा से ऊपर आए।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि करीब 50 वर्ष पहले भारत में चिप बनाने की कंपनी आई थी, लेकिन तत्कालीन राजनीतिक परिस्थितियों में उसे लाल झंडा दिखाकर वापस भेज दिया गया। पीएम ने कहा कि अब भारत इस क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है और देश में सेमीकंडक्टर इकाइयां स्थापित करने की दिशा में काम हो रहा है। आइआइटी खड़गपुर के पूर्व विद्यार्थियों की भूमिका का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि चिप से लेकर जहाज तक देश में निर्माण की क्षमता विकसित करनी है।

गरीबी से सेमीकंडक्टर तक, बदली

यूपी: पीएम मोदी बोले- लोगों ने मेरी बात मानी, सोना कम खरीदा और लोगों के पैसे भी बचे

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को लखनऊ पहुंचे। अमौसी एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। इसके बाद प्रधानमंत्री गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित पंचम राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उप मुख्यमंत्री और प्रदेश सरकार के कई मंत्री मौजूद हैं। समारोह में पीएम मोदी ने टॉपर्स को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (आईटीआई), नेशनल डिस्ट्रिक्ट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट और इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग से जुड़े प्रशिक्षक शामिल रहे। राजनाथ सिंह ने सभी सम्मानित लोगों को बधाई दी।
उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह पहली बार दिल्ली से बाहर लखनऊ में आयोजित हो रहा है। यह उत्तर प्रदेश के लिए गौरव की बात है। इसके लिए उन्होंने केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी को भी बदली हुई नीतिगत सोच का उदाहरण बताया। उन्होंने आइआइटी खड़गपुर के पूर्व विद्यार्थी पवन और उनकी कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस का उल्लेख किया। कहा कि पहले अंतरिक्ष क्षेत्र में अवसर सीमित थे, लेकिन अब निजी कंपनियों और युवा नवाचारकताओं के लिए भी रास्ते खुले हैं।

75 विद्यार्थियों से संवाद, स्मारक सिक्का जारी किया

समारोह में प्रधानमंत्री ने 'विकसित भारत के लिए 75 आवाजें' पहल के तहत संस्थान के 75 विद्यार्थियों से संवाद किया। विद्यार्थियों ने विकसित भारत के निर्माण को लेकर अपने विचार रखे।

पीएम मोदी ने सीनेट हाल में कृषि, कपड़ा उद्योग, रोबोटिक्स, एयरोस्पेस, ड्रोन तकनीक और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े नवाचारों तथा स्टार्टअप के प्रदर्शनों का भी अवलोकन किया। उन्होंने संस्थान में शुरू हुए स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रम के लिए तैयार बुनियादी ढांचे को भी देखा।

आइआइटी खड़गपुर के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री ने 75 रुपये का विशेष स्मारक सिक्का जारी किया। 99.9 प्रतिशत शुद्ध चांदी से बने इस सिक्के का वजन 40 ग्राम और व्यास 44 मिलीमीटर है। इसकी एक तरफ अशोक स्तंभ का सिंह शीर्ष और दूसरी तरफ संस्थान के प्लेटिनम जुबली समारोह का प्रतीक चिह्न अंकित है।

स्किल इंडिया से प्रशिक्षित युवा ही 2047 के विकसित व आत्मनिर्भर भारत का आधार बनेंगे: सीएम योगी

एजेंसी, लखनऊ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित पांचवें कौशल दीक्षांत समारोह में प्रशिक्षण केंद्रों के टॉपर्स को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी समेत सभी अतिथियों व युवाओं का अभिनंदन किया। उन्होंने राजधानी लखनऊ में इस आयोजन के लिए प्रधानमंत्री का विशेष आभार भी जताया।सीएम ने कहा कि स्किल्ड मैनपावर ही विकसित भारत की आधारशिला है। स्किल इंडिया से प्रशिक्षित युवा ही 2047 के विकसित व आत्मनिर्भर भारत की बैकबोन बनने जा रहे हैं। देश जब आजादी का शताब्दी महोत्सव (2047) मना रहा होगा, तब हर चेहरे पर खुशहाली होगी। हर नारी स्वावलंबन के साथ समाज को नेतृत्व प्रदान कर रही होगी। युवाओं को रोजगार, अन्नदाता को आत्मनिर्भरता और श्रमिक को सम्मानजनक मानदेय हमारा लक्ष्य है।

प्रधानमंत्री ने दूर की युवाओं के मन की हताशा-निराशा

सीएम योगी ने कहा कि 2015 में प्रधानमंत्री ने विज्ञान भवन में विश्व युवा कौशल दिवस पर स्किल इंडिया महाभियान का शुभारंभ किया था। इसके जरिये दुनिया की सबसे बड़ी यंग वर्कफोर्स यानी भारत के युवाओं की प्रतिभा को प्लेटफॉर्म देकर उनके मन की हताशा-निराशा को दूर करने का प्रयास किया। पीएम मोदी जी ने भारतीय मनीषा के उद्घोष अयोग्यो पुरुषो नास्ति, योजकस्तत्र दुर्लभः (कोई व्यक्ति बेकार नहीं होता, कमी केवल सही मार्गदर्शन और योजक की होती है) को आगे बढ़ाने का कार्य किया।

भारत दुनिया व यूपी देश का सबसे युवा प्रदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश और उत्तर प्रदेश भारत का सबसे युवा प्रदेश है। यहां सर्वाधिक युवा निवास करते हैं। उत्तर प्रदेश ने 2017 के पश्चात प्रधानमंत्री जी के स्किल मिशन को तेजी से बढ़ाया। प्रदेश के अंदर युवाओं की ताकत को प्लेटफॉर्म मिल रहा है, जिसका परिणाम है कि 17 लाख से अधिक युवाओं को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षित करके सात लाख से अधिक युवाओं को कैंपस सलेक्शन से ही नौकरी मिलने में सफलता हासिल हुई।

दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना में 1.23 लाख युवाओं को मिला रोजगार

मुख्यमंत्री ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत ग्रामीण युवक-युवतियों को आवासीय सुविधा के साथ प्रशिक्षण देकर 1.23 लाख से अधिक को सीधे रोजगार उपलब्ध कराने में मदद की गई। जब दुनिया वर्ष 2020 में कोरोना से पस्त थी, तब भारत राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू कर रहा था। इसमें परंपरागत पाठ्यक्रम के साथ-साथ स्किलिंग (कौशल विकास) पर जोर दिया गया। प्रोजेक्ट प्रवीण के माध्यम से 1700 से अधिक माध्यमिक विद्यालयों में 2.50 लाख से अधिक विद्यार्थी यह लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

सरकार ने टाटा टेक्नोलॉजी के साथ बढ़ाया कदम

सीएम ने इमर्जिंग टेक्नोलॉजी व इंडस्ट्री 4.0 के लिए प्रदेश में तैयार यंग वर्कफोर्स की भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि सफल उद्योग संचालन के लिए प्रदेश सरकार ने 150 से अधिक आईटीआई में टाटा टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, एआई, रोबोटिक, ड्रोन टेक्नोलॉजी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, थ्रीडी प्रिंटिंग व इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप ट्रेड विकसित करते हुए इन नए पाठ्यक्रमों को संचालित किया। 12 हजार से अधिक प्रशिक्षित युवा कैंपस सलेक्शन के माध्यम से अच्छा रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। वहीं सीएम ने बताया कि प्रदेश में 2026 में लगे रोजगार मेले में 50 हजार से अधिक प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। इनमें 3400 से अधिक दिव्यांग युवा भी शामिल हैं। प्रदेश में सरकारी व निजी क्षेत्र में वोकेशनल एजुकेशन एंड स्किल डेवलपमेंट का बड़ा नेटवर्क है। इन सभी को इंटीग्रेट करने के लिए लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल स्किलिंग व एम्प्लॉयमेंट जोन विकसित करने की कार्यवाही आगे बढ़ी है, जहां एक ही छत के नीचे युवाओं की स्किलिंग के साथ-साथ नेशनल व ग्लोबल मार्केट के अनुसार उद्योग को स्किल्ड वर्कफोर्स उपलब्ध कराई जाएगी।

कश्मीर का कोई स्थानीय युवा आतंकवाद में शामिल नहीं: शाह

एजेंसी, नई दिल्ली।



भारत और अमेरिका ने मिलकर अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ऑपरेशन मानसून थंडर के तहत दोनों देशों की एजेंसियों ने गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह अमेरिका में मनोवैज्ञानिक असर डालने वाली दवाओं और नशीली दर्द निवारक दवाओं की अवैध सप्लाई करता था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को इस अभियान की सफलता पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और अमेरिकी ड्रग प्रवर्तन प्रशासन (डीईए) को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई सीमा पार नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने में भारत और अमेरिका के बीच मजबूत सहयोग का प्रमाण है।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद कश्मीर में क्या बदला?

गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के हालात का जिक्र करते हुए कहा कि 2019 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद घाटी में बड़े बदलाव हुए हैं। करीब 35 साल से अधिक समय तक हिंसा झेलने वाले कश्मीर में अब कोई स्थानीय युवा आतंकवाद में शामिल नहीं है। शाह ने कहा कि 1990 के दशक में घाटी में आतंकवाद चरम पर था। उस समय हालात इतने खराब थे कि कश्मीर को देश से जोड़े रखने पर भी सवाल उठने लगे थे। मुख्यमंत्री तक इंग्लैंड चले गए थे, लेकिन सुरक्षा बलों ने साहस और बलिदान से घाटी को देश से जोड़े रखा।

अध्ययन में खुलासा

50 उम्र पार करते ही बढ़ रहा बीमारियों का बोझ

एजेंसी, नई दिल्ली।

देश में 50 साल और उससे अधिक उम्र के हर छह में से करीब एक व्यक्ति को दो या उससे ज्यादा पुरानी बीमारियां हैं। छह राज्यों के 6,719 लोगों के स्वास्थ्य आंकड़ों पर आधारित नए अध्ययन में यह तस्वीर सामने आई है। अध्ययन में 17.7 प्रतिशत लोगों में एक से ज्यादा पुरानी बीमारियां पाई गईं। इनमें हाई ब्लड प्रेशर और गठिया सबसे आम स्वास्थ्य समस्याओं के रूप में सामने आए।

शोध का आधार विश्व स्वास्थ्य संगठन के एसएजीई इंडिया वेव-3 सर्वेक्षण के आंकड़े हैं। सर्वेक्षण असम, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में किया गया था। शोध में 50 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों को शामिल किया गया।

अध्ययन के अनुसार, 50 साल से अधिक उम्र के लोगों में हाई ब्लड प्रेशर सबसे आम बीमारी रही। 29 प्रतिशत लोगों में इसकी पहचान हुई। वहीं, 12.9 प्रतिशत लोगों को गठिया की समस्या थी। शोधकताओं ने दो या उससे अधिक पहचानी गई पुरानी बीमारियों को एक साथ मौजूद होने की स्थिति यानी मल्टीमॉर्बिडिटी माना है। इसका मतलब है कि मरीज को केवल एक बीमारी का इलाज नहीं कराना पड़ता। उसे एक साथ कई स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जांच, दवाओं और नियमित चिकित्सकीय देखभाल की जरूरत हो सकती है। ऐसी स्थिति में इलाज का तालमेल और दवाओं का सही इस्तेमाल भी महत्वपूर्ण हो जाता है।

कर्नाटक और असम में सबसे ज्यादा, महाराष्ट्र में सबसे कम

राज्यों के बीच भी बड़ा अंतर दिखा। कर्नाटक में 29.9 फीसदी लोगों को एक से अधिक पुरानी बीमारियां थीं। असम में यह आंकड़ा 27.8 फीसदी और पश्चिम बंगाल में 25.9 फीसदी रहा। राजस्थान में 17.5 फीसदी, उत्तर प्रदेश में 12.6 फीसदी और महाराष्ट्र में 11.5 फीसदी लोगों में मल्टीमॉर्बिडिटी दर्ज की गई।

सिर्फ जीवनशैली नहीं, सामाजिक आर्थिक परिस्थितियां भी जिम्मेदार

शोध के आधार पर विशेषज्ञों का कहना है कि ये बीमारियां सिर्फ धूम्रपान, तंबाकू, शराब, शारीरिक गतिविधि और खानपान जैसे जीवनशैली से जुड़े जोखिमों से जुड़ी नहीं हैं। दूसरे सामाजिक और आर्थिक पहलू भी इसके लिए बड़े जिम्मेदार हैं। उम्र, आर्थिक स्थिति, अनुसूचित जनजाति से जुड़ी सामाजिक स्थिति और राज्य के आधार पर बीमारियों की मौजूदगी में अंतर मिला। मतलब बुजुर्गों की सेहत को समझने के लिए केवल उनकी जीवनशैली देखना पर्याप्त नहीं है। सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों को भी ध्यान में रखना होगा। बीमारियों के प्रकार पर नजर डालें तो हाई ब्लड प्रेशर सबसे आम समस्या रही।

नियमित रूप से जांच व तनाव प्रबंधन जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, 50 साल से ज्यादा की उम्र के बाद लोगों को नियमित रूप से ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल (लिपिड प्रोफाइल) और हृदय की जांच कराना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही संतुलित आहार, रोजाना कम से कम 20-30 मिनट की शारीरिक गतिविधि और तनाव प्रबंधन से उम्र संबंधी बीमारियों के खतरे को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल भाजपा में शामिल



एजेंसी, नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का दामन थाम लिया है। पार्टी में शामिल होने के बाद उन्हें बीजेपी के ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया गया है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने ओबीसी मोर्चा में कई नियुक्तियों के साथ चहल को भी यह जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी के इस फैसले के बाद क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की राजनीतिक पारी शुरू हो गई है। जानकारी के मुताबिक, चहल इससे पहले बीजेपी के ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष अमरपाल मौर्य से मुलाकात कर चुके थे। इसके बाद अब उन्हें मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है।

मौत को छूकर निकली जिंदगी!

खोखे में घुसा ट्रक, चमत्कारिक ढंग से बचा दुकानदार!

- आधी रात ट्रक की भीषण टक्कर से मचा हड़कंप
- खोखे को रौंदता हुआ खाई में जा गिरा अनियंत्रित ट्रक
- अंदर सो रहे दुकानदार को खरोंच तक नहीं आई, बाल-बाल बची जान



❍ टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना फतेहाबाद क्षेत्र में कृष्णा हॉस्पिटल के नजदीक शुक्रवार देर रात करीब 11:30 बजे एक अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे रखे खोखे में टक्कर मारते हुए खाई में जा गिरा। हादसे में खोखा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि खोखे के अंदर सो रहा दुकानदार बाल-बाल बच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उदयभान पुत्र सौप्रसाद कृष्णा हॉस्पिटल के नजदीक सड़क किनारे खोखा रखकर अपनी दुकान चलाते हैं। शुक्रवार रात करीब 11:30 बजे वह रोजाना की तरह अपने खोखे के अंदर सो रहे थे।

इसी दौरान एक ट्रक अचानक अनियंत्रित हो गया और सीधे उनके खोखे में जा घुसा। ट्रक की जोरदार टक्कर से खोखा क्षतिग्रस्त हो गया और ट्रक सड़क किनारे खाई में जा गिरा। अचानक हुई तेज आवाज से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंचे लोगों ने जब खोखे के अंदर सो रहे उदयभान को सुरक्षित देखा तो राहत की सांस ली। हादसे में उदयभान को कोई चोट नहीं आई। हालांकि खोखे के क्षतिग्रस्त होने से उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ है। शनिवार सुबह ट्रक को खाई से बाहर निकालने के लिए हाइड्रा मशीन बुलाई गई। हाइड्रा की मदद से काफी मशक्कत के बाद ट्रक को खाई से बाहर निकाला गया।

सत्य की राह में राजपाट से परिवार तक सब कुछ किया न्योछावर, फिर भी नहीं डिगे हरिश्चंद्र

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।



सत्य की परीक्षा कठिन जरूर होती है, लेकिन जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से विचलित नहीं होता, वही इतिहास में अमर हो जाता है। कुछ ऐसा ही प्रेरणादायी संदेश वाटर वर्क्स चौराहा स्थित गौशाला में आयोजित श्री कृष्ण लीला महोत्सव के अंतर्गत शनिवार को राजा हरिश्चंद्र की लीला के भावपूर्ण मंचन से मिला।

पहली बार श्री कृष्ण लीला महोत्सव में मंचित हुई सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र लीला प्रसंग में कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय से सत्यवादी राजा के त्याग, संघर्ष और वचनबद्धता को मंच पर जीवंत कर दिया। पत्नी और पुत्र से बिछोह के मार्मिक प्रसंगों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

श्री कृष्ण लीला में आज के मुख्य अतिथि देश के प्रमुख यज्ञ आचार्य स्वामी रामदास जी थे। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण - बलदेव के स्वरूपों की आरती उतार कर आज की लीला का शुभारंभ किया। समिति के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने बताया कि महाराज जी के निर्देशन में आगरा में विशाल महायज्ञ का आयोजन 12 दिसंबर से किया जा रहा है जिसमें 2150 कुंड बनाए जा रहे हैं। पीतांबरा माता और भोलेनाथ का एक साथ हवन कराया जाएगा । हजारों लोग एक साथ आहुतियां देंगे। इस में करीब 50 करोड़ आहुतियां दिए जानेका लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सभी से अनुरोध है कि इस महायज्ञ में अवश्य भागीदार बनें।

अतिथियों में डॉ रजनीश त्यागी, हरिनारायण चतुर्वेदी, जगदीश बागला, सुरेश कंसल, लायंस क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर आरएन वर्मा, महिला शांति सेना की अध्यक्ष वत्सला प्रभाकर, साहित्यकार श्रुति सिन्हा, शीतल अग्रवाल, दीप्ति अग्रवाल आदि थे।

लीला में दशार्या गया कि राजा हरिश्चंद्र ने सत्य और वचन की मयार्दा बनाए रखने के लिए अपना राजपाट, धन-संपत्ति और पारिवारिक सुख तक त्याग दिया। जीवन में आई कठिन से कठिन परिस्थितियां भी उनके सत्य के संकल्प को डिगा नहीं सकीं। पत्नी तारामती और पुत्र रोहिताश्व से वियोग तथा श्मशान में कठिन परिस्थितियों के बीच जीवन व्यतीत करने के प्रसंगों ने दर्शकों के हृदय को झकझोर दिया। कलाकारों की मार्मिक अदाकारी पर दर्शकों ने तालियों से उत्साहवर्धन किया।सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है हरिश्चंद्र का जीवनश्री कृष्ण लीला समिति के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने कहा कि राजा हरिश्चंद्र का जीवन हमें सिखाता है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत क्यों न हों, मनुष्य को सत्य और धर्म का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए। सत्य की राह कठिन अवश्य होती है, लेकिन अंततः यही मार्ग व्यक्ति को सम्मान, आत्मबल और महानता प्रदान करता है। उनका जीवन आज भी ईमानदारी, नैतिकता, कर्तव्यनिष्ठा और वचन पालन का अनुपम उदाहरण है।

श्री कृष्ण लीला महोत्सव के माध्यम से पौराणिक प्रसंगों का मंचन नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और जीवन मूल्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है।

लीला की व्यवस्थाओं में कमेटी के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, महामंत्री विजय रोहतगी, शेखर गोयल, संजय अग्रवाल, संजय गर्ग बड़े भाई, अशोक गोयल, बृजेश अग्रवाल, गिर्राज बंसल, केसी अग्रवाल, विष्णु कुमार अग्रवाल आदि का प्रमुख सहयोग रहा।

आज होगा कंस वध, पुतला दहन के साथ सजेगी आतिशबाजी

लीला संयोजक शेखर गोयल ने बताया कि रविवार शाम 6:30 बजे अक्रूर गमन एवं कंस वध की लीला का मंचन किया जाएगा। इसके पश्चात कंस के विशाल पुतले का दहन होगा। आकर्षक आतिशबाजी के साथ आयोजन को भव्य स्वरूप प्रदान किया जाएगा।

शादी की भीड़ में टप्पेबाजों का खेल होगा खत्म

मैरिज होम पर पुलिस का पहरा!

❍ टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

- सहालग में चोरी-टप्पेबाजी रोकने को पुलिस अलर्ट
- मैरिज होम और पार्किंग में सीसीटीवी अनिवार्य
- संदिग्धों पर नजर, जाम से बचने को पार्किंग व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

सहालग के सीजन में विवाह समारोहों के दौरान होने वाली चोरी व टप्पेबाजी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। एसीपी फतेहाबाद इमरान अहमद ने मैरिज होम संचालकों और आमजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

एसीपी फतेहाबाद इमरान अहमद ने बताया कि सहालग के सीजन में देखने में मिलता है कि शातिर टप्पेबाज और चोर मेहमानों के वेश में शादी समारोह में प्रवेश कर जाते हैं। भीड़ का लाभ उठाकर ये बदमाश महिलाओं के आभूषण व नकदी पर हाथ साफ कर देते हैं। ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए विवाह समारोह हेतु मैरिज होम बुक करने वाले लोग संचालक से परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगवाने और उनके सुचारू रूप से संचालित होने की कहें।

किसी भी संदिग्ध व्यक्ति के नजर आने पर डायल-112 पर पुलिस को सूचित करें। वहीं सभी मैरिज होम संचालकों को परिसर में पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा पार्किंग क्षेत्र को भी सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखने के निर्देश दिए गए हैं। संचालक अपने कर्मचारियों को तैनात कर वाहनों को व्यवस्थित तरीके से पार्क कराएं, जिससे मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति उत्पन्न न हो।

ससुराल में मौत का तांडव!

विवाहिता की जान गई, मायके वालों पर भी बरसे लाठी-डंडे

❍ टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।



- 14 साल पहले हुई थी पिंकी की शादी, पति पर प्रताड़ना का आरोप
- जमीन बेचने के विरोध पर आए दिन होता था विवाद
- बेटी की मौत पर पहुंचे मायके वालों को भी पीटा, कई घायल

मारपीट कर विवाहिता को विषाक्त पदार्थ खिलाया इलाज के दौरान मौत जानकारी पर मौके पर पहुंचे परिजनों के साथ की मारपीट पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार किशनलाल निवासी चनौरा फिरोजाबाद ने बताया के 14 वर्ष पूर्व अपनी पुत्री पिंकी उम्र 40 वर्ष की शादी महावीर पुत्र रामप्रसाद निवासी गढ़ी साबराय थाना फतेहाबाद के साथ की थी महावीर जुआ व शराब पीने का आदी है। जिसके चलते उसने अपनी जमीन बेच ली थी तभी एक बीघा जमीन बची थी जिसको बेचने के लिए प्रयास कर रहा था। जिसका मेरी पुत्री विरोध कर रही थी इसी को लेकर आए दिन शराब के नशे में महावीर उसके साथ मारपीट करता था जिसको लेकर कई बार हमने समझने का प्रयास किया तभी बीती रात महावीर के द्वारा मेरी पुत्री पिंकी के साथ मारपीट की और उसे विषाक्त पदार्थ खिला दिया और तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले गए जहां उसकी मौत हो गई तभी जानकारी पर हम मौके पर पहुंचे तो ससुरालीजन राजीनामा का दबाव बनाने लगे तभी हमने सूचना पुलिस को दी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। तभी ससुरालीजन गाली गलौज करने लगे तो हमने विरोध किया तो उनके द्वारा लाठी डंडों से हम पर हमला कर दिया गया। जिससे नरेंद्र पुत्र भगवान सिंह मृतक के बहनोई शिवम पुत्र पप्पू, विकास पुत्र निहाल सिंह दोनों चचेरे भाई ,अरविंद पुत्र महेंद्र सिंह व आरती पत्नी विष्णु कुमार के चोटे आई हैं। जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को थाने लेकर आई वहीं पीड़ित के द्वारा थाना फतेहाबाद में घटना की तहरीर दी है ।

प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्र से बात करने पर बताया कि विवाहिता के मृत होने की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है अभी तहरीर प्राप्त नहीं हुई है तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आगरा मेट्रो ने पेश की मिसालः फि रोजाबाद के यात्री का कीमती मोबाइल फोन सुरक्षित लौटाया

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।



उत्तर प्रदेश मेट्रो का लॉस्ट एंड फाउंड सेल एक बार फिर यात्रियों के लिए भरोसेमंद और सहायक साबित हुआ है। मेट्रो कर्मियों की सतर्कता, ईमानदारी एवं निर्धारित प्रक्रिया के पालन से एक यात्री का खोया हुआ मोबाइल सुरक्षित रूप से उन्हें वापस सौंपा गया घटना दिनांक 21 नवंबर 2026 को दोपहर लगभग ३ बजे की है, जब चलती ट्रेन में यूपीएमआरसी के स्टाफ को एक नीला मोबाइल प्राप्त हुआ। ज्ञात हुआ की यह फोन ट्रेन में छूट गया था जिसके बाद वह सही सलामत स्टेशन लाया गया । मोबाइल फिरोजाबाद के रहने वाले श्री आकाश दीप का था, जो आगरा मेट्रो में सफर कर रहे थे।

ताज ईस्ट गेट मेट्रो स्टेशन पर स्टेशन कंट्रोलर द्वारा नियमानुसार आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद यह मोबाइल संबंधित यात्री को सुरक्षित रूप से लौटा दिया गया बता दें कि यात्री ने अपना मोबाइल वापस मिलने पर मेट्रो कर्मियों का आभार जताया एवं उनकी कर्तव्यनिष्ठा को सराहा। यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक श्री सुशील कुमार ने इस अवसर पर कहा, ₹मुझे यूपीएमआरसी के कर्मियों पर गर्व है जो हर संभव तरीके से जनता की सेवा करने के लिए समर्पित है।₹ उन्होंने दोहराया कि मेट्रो के लॉस्ट एंड फाउंड सेल की ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा ने यात्रियों का भरोसा जीता है और यह अन्य किसी भी पब्लिक ट्रांसपोर्ट के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित, आरामदायक एवं सुविधाजनक है।

लायंस क्लब ऑफ आगरा विशाल ने 25 जरूरतमंद एवं मेधावी छात्राओं को वितरित की साइकिलें

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।



लायंस क्लब ऑफ आगरा विशाल द्वारा अपनी सेवा गतिविधियों की श्रृंखला में शनिवार को श्री रामस्वरूप सिंघल गर्ल्स कॉलेज, दरेसी-1, आगरा में एक भव्य सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं की 25 जरूरतमंद एवं मेधावी छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं, ताकि उन्हें विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिल सके तथा उनकी शिक्षा की राह और आसान हो सके।

कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब के अध्यक्ष ला. सीए राकेश अग्रवाल, सचिव ला. मनीष बंसल, कोषाध्यक्ष ला. सोम मित्तल, गतिविधि अध्यक्ष ला. अजय बंसल एवं संस्थान के अध्यक्ष श्री राजीव अग्रवाल द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष ला. सीए राकेश अग्रवाल ने कहा कि लायंस क्लब ऑफ आगरा विशाल के लिए यह वर्ष अत्यंत गौरवपूर्ण है, क्योंकि क्लब अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहा है। 50 वर्षों की गौरवशाली सेवा यात्रा में क्लब ने सदैव समाज के जरूरतमंद वर्गों की सहायता, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक उत्थान को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि स्वर्ण जयंती वर्ष में क्लब का संकल्प है कि सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक एवं प्रभावशाली बनाया जाए। छात्राओं को साइकिल प्रदान करना केवल एक सहायता नहीं, बल्कि उनके सपनों को पंख देने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक छोटा सा प्रयास है। उन्होंने सभी छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने तथा जीवन में ऊंचे लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष ला. अजय बंसल ने कहा कि क्लब द्वारा इस वर्ष की गई यह पहल आगे भी निरंतर जारी रहेगी। भविष्य में भी विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को साइकिलें प्रदान की जाएंगी, ताकि उनकी मेहनत और प्रतिभा को प्रोत्साहन मिले तथा अन्य विद्यार्थियों को भी बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा प्राप्त हो।संस्थान के अध्यक्ष श्री राजीव अग्रवाल ने लायंस क्लब ऑफ आगरा विशाल के इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करते हैं।कार्यक्रम में कॉलेज की प्रधानाचार्या, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। क्लब की ओर से ला. विजय सेठिया, ला. किशोर जैन, ला. प्रमोद अग्रवाल, कैप्टन विवेक गुप्ता, ला. हेमेन्द्र अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, सेवा भावना एवं सामाजिक सरोकारों से ओतप्रोत रहा। अंत में सभी ने इस संकल्प को दोहराया कि शिक्षा एवं बालिका सशक्तिकरण के क्षेत्र में ऐसे सेवा कार्य भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।

वाणिज्य संकाय, दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट द्वारा ह्लवित्तीय एवं पूंजी बाजारः युवाओं के लिए अवसर, चुनौतियां और सीखह्व विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया



❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।

दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीम्ड विश्वविद्यालय), आगरा के वाणिज्य संकाय द्वारा आज वित्तीय एवं पूंजी बाजारः युवाओं के लिए अवसर, चुनौतियां और सीख विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्री अश्वनी भाटिया उपस्थित रहे, जो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पूर्व पूर्णकालिक सदस्य, भारतीय स्टेट बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक, ICICI बैंक के निदेशक तथा निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस के चेयरपर्सन हैं

कार्यक्रम के प्रारंभ में वाणिज्य संकाय के डीन प्रो. प्रमोद कुमार ने मुख्य अतिथि श्री अश्वनी भाटिया का स्वागत किया तथा उनके अनुभवों एवं उपलब्धियों का परिचय दिया अपने व्याख्यान में श्री भाटिया ने वित्तीय एवं पूंजी बाजार के विभिन्न व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इक्विटी, म्यूचुअल फंड एवं डेरिवेटिव्स जैसे महत्वपूर्ण वित्तीय साधनों को वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया।

उन्होंने विद्यार्थियों को वित्तीय बाजारों की कार्यप्रणाली, निवेश के अवसरों तथा इन क्षेत्रों में उपलब्ध करियर संभावनाओं के बारे में भी जानकारी दी उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में बड़े सपने देखने, स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि युवाओं को अपने ज्ञान, कौशल एवं व्यावहारिक समझ को विकसित करते हुए भविष्य की चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार करना चाहिए आज के कार्यक्रम को सफलता पूर्वक सम्पन्न करने मे प्रो.सी.पटवर्धन डायरेक्टर, डीईआई एवं प्रो.संजीव स्वामी, रजिस्ट्रार डीईआई का अभूतपूर्व सहयोग रहा कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. निधि शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर वाणिज्य संकाय के सभी शिक्षकगण, शोधार्थी,विधार्थी एवं अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रो.स्वामी प्रसाद सक्सेना ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

पिनाहट की 36 ग्राम पंचायतों में खराब पड़ी पानी की टंकियों को ठीक कराने की मांग, मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

पिनाहट। विकासखंड की 36 ग्राम पंचायतों में खराब पड़ी टीटीएसपी पानी की टंकियों को ठीक कराने और हर घर जल योजना के तहत खोदी गई सड़कों का पुनर्निर्माण कराने की मांग उठी है। शनिवार को प्रधान संघ पिनाहट के अध्यक्ष एवं ग्राम पंचायत विप्रावली के प्रधान देवानन्द परिहार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम जिलाधिकारी आगरा के माध्यम से ज्ञापन भेजा।

ज्ञापन में बताया कि क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों में टीटीएसपी पानी की टंकियां वर्षों से खराब पड़ी हैं। कुछ टंकियों की मरम्मत की जरूरत है, जबकि कई के रीबोर फेल हो चुके हैं। सर्वे होने के बावजूद अभी तक मरम्मत और रीबोर का कार्य शुरू नहीं हुआ है। विप्रावली ग्राम पंचायत के मदनपुर, बीच का पुरा, पडुआपुरा, विप्रावली, सांवलदासपुरा, नया बांस, अमरसिंह पुरा, देवगढ़, सूबेदारपुरा और कप्तानपुरा सहित कई मजरों में समस्या बनी हुई है।

इसके अलावा ओछापुरा और पडुआपुरा समेत अन्य गांवों में हर घर जल योजना के तहत पाइपलाइन डालने के लिए खोदी गई सड़कों और संपर्क मार्गों का निर्माण कराने की मांग की गई है। ज्ञापन में विप्रावली में राजा खेड़ा रोड स्थित पुरानी बड़ी पानी की टंकी को जल निगम द्वारा ध्वस्त कराए जाने के बाद उसके स्थान पर नई टंकी और बाउंड्रीवाल का निर्माण कराने की भी मांग उठाई गई है।

प्रधान ने मुख्यमंत्री से समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराने और संबंधित विभागों की समिति गठित कर कार्रवाई सुनिश्चित कराने की मांग की है।

दबंगों द्वारा युवक को रास्ते में घेरकर मारपीट,जबरन कार में डालकर ले जाने का आरोप

❍ टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा के थाना ताजगंज क्षेत्र में दबंगई और मारपीट का एक गंभीर मामला सामने आया है। थाना ताजगंज क्षेत्र के गांव बसई खुर्द निवासी शिवम कुशवाह ने कुछ युवकों पर रास्ता रोककर मारपीट करने, जबरन गाड़ी में डालकर ले जाने, नकदी और चांदी का सिक्का छीनने तथा जान से मारने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित ने पुलिस अधिकारियों से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित द्वारा बताए अनुसार 28 सितंबर 2026 को शाम करीब 6 बजे शिवम कुशवाह अपनी एक्टिवा संख्या वढ80लह8782 से होटल रमाडा की ओर से घर लौट रहे थे। आरोप है कि रास्ते में शुभ यादव और पप्पू यादव ने अपनी मोटरसाइकिल आगे लगाकर उनका रास्ता रोक लिया।

इसके बाद एक्टिवा की चाबी निकालकर गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी।पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने फोन करके अपने अन्य साथियों को भी बुला लिया। इसी दौरान परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकले।

दूसरी बार पेट्रोल पंप के पास घेरकर किया हमला

पीड़ित के मुताबिक, 8 नवंबर 2026 को दोपहर करीब 2 बजे वह अपने दोस्त शौर्य के साथ एक्टिवा से कलाकृति पेट्रोल पंप पर पेट्रोल लेने जा रहे थे। तभी शुभ यादव, पप्पू यादव, रोहित यादव, छोटू यादव, भोला यादव, ओमप्रकाश यादव समेत कई अन्य लोग वहां पहुंच गए।आरोप है कि करीब 10 से 12 लोगों ने दोनों को घेर लिया और जबरन अपनी कार संख्या वढ80एठ1464 में डालकर एक्टिवा सहित अपने साथ ले गए। आरोप यह भी है कि पीड़ित और उसके दोस्त के साथ मारपीट कर उनके पास मौजूद करीब 3000 रुपये और चांदी का सिक्का छीन लिया गया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने कथित तौर पर मारपीट का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया, ताकि उन्हें सामाजिक रूप से अपमानित किया जा सके। पीड़ित ने अपनी शिकायत में दावा किया है कि घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज कलाकृति पेट्रोल पंप पर मौजूद कैमरों में कैद है। पीड़ित ने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच कराने की मांग की है।

पुलिस पर कार्रवाई न करने और धमकाने का आरोप

शिवम कुशवाह का कहना है कि उन्होंने पहली घटना के संबंध में 1 अक्टूबर 2026 को थाना ताजगंज में लिखित शिकायत दी थी, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया है कि शिकायत करने पर चौकी प्रभारी की ओर से उल्टा मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई।पीड़ित ने 12 नवंबर 2026 को दोबारा प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस अधिकारियों से न्याय की गुहार

पीड़ित शिवम कुशवाह ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, उउळश फुटेज सुरक्षित कराए जाएं और नामजद आरोपियों सहित अन्य अज्ञात लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

रविवार को दो बूंद जिंदगी की अवश्य पिलाएं: सीएमओ

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगामी 22 नवम्बर 2026 से प्रारंभ होने वाले पल्स पोलियो अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनसामान्य को जागरूक करने के उद्देश्य से शनिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, आगरा से एक विशाल पोलियो जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अरुण श्रीवास्तव द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। रैली मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से आवास विकास सेक्टर 12 होते हुए वापस कार्यालय प्रांगण में समाप्त हुई।

इस अवसर पर सीएमओ ने कहा कि पोलियो एक गंभीर संक्रामक बीमारी है, जिससे बच्चों को सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी उपाय समय-समय पर पोलियो की खुराक पिलाना है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि 22 नवम्बर 2026 को आयोजित होने वाले पल्स पोलियो अभियान के दौरान शून्य से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं। उन्होंने विशेष रूप से अभिभावकों से आग्रह किया कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक पीने से वंचित न रहे।



रैली में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. उपेंद्र कुमार, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सुरेन्द्र मोहन, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अंशुल पारीख, जेएसआई संस्था से नितिन खन्ना, विश्व स्वास्थ्य संगठन से डा. अमृता अग्रवाल, यूपीटीएसयू से मोना सिंह व स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों, शहरी स्वास्थ्य इकाइयों के प्रतिनिधियों, एएनएम, आशा कार्यकताओं एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। रैली के माध्यम से आमजन को पोलियो उन्मूलन के प्रति जागरूक करते हुए अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया।

- जनजागरूकता हेतु निकाली गई विशाल पोलियो जागरूकता रैली
- 22 नवंबर (रविवार) को आयोजित होगा सघन पल्स पोलियो अभियान

रैली के दौरान विभिन्न जागरूकता नारों एवं संदेशों के माध्यम से लोगों को बताया गया कि पोलियो से बचाव के लिए प्रत्येक बच्चे को निर्धारित अभियान के दौरान पोलियो की खुराक पिलाना आवश्यक है। साथ ही समुदाय के लोगों से स्वास्थ्य विभाग की टीमों को सहयोग प्रदान करने तथा अपने आसपास के सभी पात्र बच्चों को पोलियो की खुराक दिलाने की अपील की गई।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान के सफल संचालन हेतु सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। अभियान के अंतर्गत बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के साथ-साथ छूटे हुए बच्चों तक पहुंचने के लिए घर-घर भ्रमण एवं आवश्यकतानुसार ट्रांजिट टीमों के माध्यम से भी टीकाकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

किरावली समाधान दिवस में गरजे डीएम मनीष बंसल



टीएनएफ टुडे, आगरा।

- चकरोड कब्जे पर मौके पर भेजी टीम
- कुल 150 शिकायतों में से 15 का मौके पर ही किया गया निस्तारण

तहसील किरावली में शनिवार को जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को तय समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। भूमि विवाद से जुड़े मामलों को लेकर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर प्रभावी कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि शिकायतों के निस्तारण से पहले फरियादियों से संपर्क कर उनसे वार्ता की जाए, स्थलीय निरीक्षण किया जाए और निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता को सूचित करते हुए पूरे घटनाक्रम की आख्या पोर्टल पर अपलोड की जाए।

समाधान दिवस के दौरान नगला मंशा निवासी कमल सिंह द्वारा श्मशान भूमि की पैमाइश लंबित रहने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित लेखपाल को फटकार लगाई और राजस्व टीम को मौके पर भेजकर पैमाइश कराने के आदेश दिए। वहीं, पुष्पेंद्र कुमार और कृष्णमुरारी द्वारा चकमार्ग पर अवैध अतिक्रमण की बार-बार की जा रही शिकायतों के बावजूद कार्रवाई न होने पर जिलाधिकारी ने बीडीओ अछनेरा, नायब तहसीलदार, थाना प्रभारी अछनेरा और राजस्व टीम को तलब कर तुरंत अतिक्रमण हटवाने तथा मिट्टी भराई का कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा मुआवजा, चकरोड पर कब्जा, भूमि पैमाइश, खेत की मेड़ काटने और पेंशन से जुड़े मामलों में भी संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही तलब कर त्वरित निस्तारण के सख्त आदेश दिए गए।

संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 150 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 15 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। शेष शिकायतों में राजस्व विभाग से जुड़ी 80, पुलिस व राजस्व विभाग की संयुक्त 10, चकबंदी विभाग की 02, पुलिस विभाग की 15, विकास विभाग की 10, विद्युत विभाग की 03 तथा अन्य विभागों की 30 शिकायतें शामिल रहीं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) आजाद भगत सिंह, उप जिलाधिकारी सौम्य मिश्रा, एसीपी शैलेंद्र सिंह, नायब तहसीलदार वंदना व ऋषभ दुबे, उप निदेशक कृषि मुकेश कुमार, डीडी पीआरडीए रेणु कुमारी, सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव, जिला पूर्ति अधिकारी आनंद कुमार सिंह, जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार, एमओआईसी डॉ. राघवेंद्र सिंह व डॉ. राजकमल सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विशेष अभियान दिवस पर एक्शन में डीएम

- 87-छावनी विधानसभा क्षेत्र के बैप्टिस्ट स्कूल स्थित बूथ संख्या 43 से 51 समेत विभिन्न केंद्रों पर पहुंचकर जांची मतदाता सूची



आगरा। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के आधार पर चल रहे विधानसभा निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान-2027 को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। इसी क्रम में शनिवार को विशेष अभियान दिवस के अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी मनीष बंसल ने 87-छावनी विधानसभा क्षेत्र के बैप्टिस्ट स्कूल स्थित बूथ संख्या 43 से 51 सहित विभिन्न मतदेय स्थलों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की उपस्थिति, मतदाता पंजीकरण की स्थिति, डिजिटाइजेशन की प्रगति और आम नागरिकों के लिए की गई व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद बीएलओ को सख्त निर्देश दिए कि वे निर्धारित समयावधि तक अपना आईकार्ड पहनकर अनिवार्य रूप से अपने-अपने बूथ पर उपस्थित रहें और मतदाता सूची से जुड़े कार्यों के लिए आने वाले नागरिकों को पूरा सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि समस्त पात्र नागरिकों का सत्यापन करते हुए उनका पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए ताकि कोई भी योग्य मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। इसके साथ ही प्राप्त होने वाले फार्म-06, 07 एवं 08 के डिजिटाइजेशन कार्य को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

प्रशासन द्वारा अवगत कराया गया है कि पात्र युवाओं, छूटे हुए मतदाताओं और नाम या पते में संशोधन कराने के इच्छुक नागरिकों की सुविधा के लिए आगामी 22, 28 और 29 नवंबर को भी समस्त मतदेय स्थलों पर विशेष अभियान दिवस आयोजित किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों और बीएलओ को निर्देशित किया कि इन विशेष तिथियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और प्राप्त दावों व आपत्तियों का नियमानुसार निस्तारण करते हुए एक शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार की जाए।

कृषि विज्ञान केंद्र में सजेगा एग्रोक्लाइमेटिक मेला और रबी उत्पादकता गोष्ठी

टीएनएफ टुडे, आगरा।



कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण और कृषक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद के किसानों को आधुनिक खेती व सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए एक बड़ा आयोजन होने जा रहा है। उप निदेशक कृषि मुकेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि कृषि निदेशक, उत्तर प्रदेश (लखनऊ) के निदेर्शानुसार आगामी 26 नवंबर 2026 को प्रातः 10:30 बजे से कृषि विज्ञान केंद्र, बिचपुरी, आगरा के प्रांगण में जनपद स्तरीय 'रबी उत्पादकता गोष्ठी' एवं 'एक दिवसीय एग्रोक्लाइमेटिक मेला' आयोजित किया जाएगा।

इस एक दिवसीय मेले और गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य रबी की फसलों की उत्पादकता बढ़ाना और किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों से अवगत कराना है। उप निदेशक कृषि ने निर्देश दिए हैं कि आयोजन स्थल पर कृषि एवं अन्य सभी संबंधित विभाग स्वयं प्रतिभाग करते हुए अपने-अपने स्टॉल लगाएंगे। इन स्टॉलों के माध्यम से न केवल किसानों को विभागों की महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी, बल्कि मौके पर ही उन्हें अनुमन्य सुविधाओं से लाभान्वित करना भी सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने जनपद के समस्त किसान भाइयों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस गोष्ठी एवं मेले में पहुंचकर विशेषज्ञों के मार्गदर्शन और सरकारी योजनाओं का भरपूर लाभ उठाएं।

विद्युत आपूर्ति साढ़े चार घंटे रहेगी बाधित

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

133 केवी उपकेंद्र जगराजपुर से पोषित 33 केवी उपकेंद्र वाजिदपुर की लाइन पर रविवार को निर्माण कार्य किया जाएगा। विद्युत उपखंड अधिकारी फतेहाबाद ने बताया कि इस कार्य के चलते रविवार सुबह 9:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक 33 केवी वाजिदपुर, बेहड़ी तथा मुरावल फीडर से पोषित गांवों की बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से इस दौरान धैर्य बनाए रखने और सहयोग करने की अपील की है।

रेलवे ट्रैक पर मौत का मंजर

हत्या के आरोपों से भड़का आक्रोश, 3 घंटे तक शव पर संग्राम!

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।



- आगरा-मैनपुरी रेलमार्ग पर 16 वर्षीय किशोर की दर्दनाक मौत
- हादसे की गुत्थी पर परिजनों ने उठाए सवाल, हत्या का आरोप
- रेलवे ट्रैक पर मातम, आक्रोश और हंगामा, 3 घंटे तक नहीं उठने दिया शव

थाना फतेहाबाद क्षेत्र के गांव शालूबाई में शनिवार सुबह रेलवे लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों ने शव नहीं उठने दिया। करीब तीन घंटे तक चले हंगामे के बाद पुलिस ने समझा-बुझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जयकिशन उर्फ उमेश (16) पुत्र निरोत्तम निवासी पूरनपुरा, थाना पिनाहट,हाल निवासी शालूबाई थाना फतेहाबाद पिछले दो वर्षों से अपने परिवार के साथ गांव शालूबाई में रह रहा था। शनिवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे वह घर से शौच के लिए निकला था। घर से करीब 200 मीटर दूर रेलवे लाइन पर खंभा संख्या 1377/06 के पास आगरा-मैनपुरी ईएमयू ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ट्रेन भी रुक गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मृतक की भतीजी सपना पुत्री बालकिशन ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। रेलवे लाइन के पास जय किशन का शव पड़ा देख परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर आरपीएफ और थाना फतेहाबाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इस दौरान मृतक की मां मुलिया देवी ने बेटे की हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों ने शव उठाने से इनकार कर दिया। करीब तीन घंटे तक चले हंगामे के बाद पुलिस ने परिजनों को समझा-बुझाकर शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। वहीं परिजन के मुताबिक मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। बड़ा भाई बालकिशन ,दीनानाथ दोनों शादीशुदा है। वहीं जयकिशन अविवाहित है। वह दिल्ली में हलवाई का काम करता था। वहीं घटना की जानकारी से मां मुलिया देवी सहित परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

कोहरे का कहर रोकने को सुरक्षा का पहरा, रफ्तार पर लगाम!

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

- आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हादसों के खिलाफ यूपीडा का सुरक्षा अभियान
- वाहन चालकों को गति सीमा और यातायात नियमों का पाठ
- रात और कोहरे में दुर्घटनाओं से बचाव को रिफ्लेक्टिव टेप अनिवार्य करने पर जोर



आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए यूपीडा ने कमर कस ली है। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा अभियान के तहत शनिवार को टोल प्लाजा 21 पर सुरक्षा कर्मियों और वाहन चालकों के लिए विशेष ब्रीफिंग सत्र का आयोजन किया गया।

यूपीडा के सुरक्षा अधिकारी प्रथम राधामोहन द्विवेदी ने बताया कि मुख्य महाप्रबंधक पश्चिमी, सड़क सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन, लखनऊ के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में यूपीडा-5 और यूपीडा-6 के भूतपूर्व सैनिकों व चालकों को अभियान को सफल बनाने के लिए जुटने का आह्वान किया गया। पैकेज प्रथम के सुरक्षा अधिकारी राधामोहन द्विवेदी ने कर्मियों को निर्देशित किया कि एक्सप्रेसवे से गुजरने वाले वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करें और उन्हें जागरूकता संबंधी पंफ्लेट्स वितरित करें।

कोहरे और रात के समय होने वाले हादसों से बचाव के लिए विशेष रूप से वाहनों के पीछे रिफ्लेक्टिव टेप लगाने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही चालकों को एक्सप्रेसवे पर निर्धारित की गई नई गति सीमा की जानकारी देने को कहा गया। ब्रीफिंग के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सड़क दुर्घटना प्रबंधन से जुड़े आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

यूपीडा के सुरक्षा अधिकारी प्रथम राधामोहन द्विवेदी ने बताया कि कोहरे को लेकर वाहनों की रफ्तार पर भी अंकुश लगाया गया है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वह अपने निर्धारित लाइन में ही चले।

समाधान दिवस में शिकायतों का अंबार!

26 फरियादों में सिर्फ 3 को राहत



फतेहाबाद। संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन शनिवार को तहसील के सभागार कक्ष में एसडीएम फतेहाबाद स्वाति शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया इस दौरान 26 शिकायत में प्राप्त हुई मौके पर तीन शिकायतों का निस्तारण किया गया।वहीं शेष शिकायतों को गुण दोष के आधार पर करने के निर्देश दिये दिए गए। ग्राम बेहडी के ग्रामीणों फौरन सिंह, भूरी सिंह, राकेश, अशोक कुमार, अखिलेश, लाखन सिंह आदि ने शिकायत की कि फतेहाबाद पारौली मार्ग से गाटा संख्या 277 कबीर नगर आश्रम तक गए सरकारी चक मार्ग को गांव के लोगों ने कब्जा कर बंद कर दिया है जिसे निकलने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है विरोध करने पर लड़ाई झगड़े पर उतारू हो जाते हैं। संपूर्ण समाधान दिवस में तहसीलदार शिखर मिश्रा, एसीपी शमसाबाद रामप्रवेश गुप्ता, नायब तहसीलदार विशेष कुमार, उपमुख्यचिकित्साधिकारी फतेहाबाद सत्येंद्र भाटी सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

संन्यासी के जीवन में मां की ममता का अनमोल महत्व

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पूज्य माता सावित्री देवी के निधन और हरिद्वार में उनके अंतिम संस्कार के बाद पूरे देश तथा सोशल मीडिया के मंचों पर संवेदनाओं और भावुक चचाओं का एक गहरा प्रवाह देखने को मिल रहा है। जब एक संन्यासी और प्रदेश के शीर्ष प्रशासक के रूप में पहचाने जाने वाले योगी आदित्यनाथ अपनी मां के पार्थिव शरीर को कंधा देते हैं और अंतिम यात्रा के दौरान भावुक नजर आते हैं, तो यह दृश्य समाज को यह सोचने पर विवश कर देता है कि त्याग के मार्ग पर चलने वाले व्यक्ति के भीतर भी ममता और मातृत्व की जड़ें कितनी गहरी होती हैं। सोशल मीडिया पर इस पूरे घटनाक्रम को लेकर तरह-तरह की भावनात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं जहां लोग एक तरफ संन्यास की कठोर साधना का उल्लेख कर रहे हैं तो दूसरी तरफ उस सहज मानवीय पीड़ा को भी महसूस कर रहे हैं जो एक बेटे के लिए अपनी मां को खोने पर स्वाभाविक रूप से उत्पन्न होती है। भारतीय दर्शन और लोक परंपरा में संन्यासी भले ही सांसारिक मोह-माया से परे होने का संकल्प लेता है लेकिन मां का स्थान किसी साधारण रिश्ते से कहीं ऊपर माना जाता है क्योंकि वही पहली गुरु और संस्कारों की जननी होती है। गोरखपुर में जनसेवा और सार्वजनिक कार्यक्रमों के बीच जब माता के निधन का समाचार मिला और उसके बाद पैतृक गांव पंचूर से लेकर हरिद्वार तक की अंतिम यात्रा में योगी आदित्यनाथ का संयम और भीतर उमड़ती भावुकता दिखी, तो यह पल लोगों के दिलों को छू गया। दलीय सीमाओं से ऊपर उठकर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं और जनसामान्य द्वारा व्यक्त की गई संवेदनाएं यह दिखाती हैं कि मातृत्व का शोक किसी पद या विचारधारा से बड़ा होता है। मां के अंतिम संस्कार के तुरंत बाद अपने कर्तव्य और सार्वजनिक दायित्वों की ओर लौटने का उनका कदम यह भी दर्शाता है कि व्यक्तिगत शोक और लोकसेवा के बीच संतुलन साधना ही एक कर्मयोगी की असली परीक्षा होती है। सावित्री देवी की विदाई ने एक बार फिर यह याद दिलाया है कि संन्यास और सत्ता के शिखर पर पहुंचने के बावजूद एक मां की दुआएं और उसकी यादें जीवन के हर मोड़ पर इंसान के भीतर जीवित रहती हैं।

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

जब द्वापर युग के अंत में भगवान श्रीकृष्ण ने द्वारका नगरी को दिया था एक अद्भुत वरदान

महाभारत के मौसल पर्व और स्कंद पुराण के प्रभास खंड के अत्यंत दुर्लभ तथा गोपनीय अध्यायों में द्वारका के समुद्र में समा जाने से पूर्व हुए एक रहस्यमयी संवाद से जुड़ी यह पावन कथा संपूर्ण सृष्टि में भगवान श्रीकृष्ण की लीला और समय के शाश्वत सत्य के उस गुप्त मर्म को उजागर करती है जिसे बहुत कम लोग जानते हैं।

जब यदुवंश के संहार और भगवान श्रीकृष्ण के निजधाम प्रस्थान के पश्चात अर्जुन द्वारकावासियों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए पहुँचे तब उन्होंने देखा कि विशाल और वैभवशाली द्वारका नगरी धीरे-धीरे सागर की अथाह लहरों में समाती जा रही है। उस विदाई के क्षण से ठीक पहले भगवान श्रीकृष्ण ने समुद्र देव का आह्वान करके उनसे यह कहा कि यह नगरी धर्म न्याय और कर्मयोग की साक्षी रही है इसलिए इसकी स्मृति को केवल पत्थरों या दीवारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए।

भगवान श्रीकृष्ण ने समुद्र देव को यह दिव्य संदेश दिया कि वे अपनी गहराइयों में द्वारका के वैभव को भले ही समेट लें लेकिन श्रद्धालुओं के हृदय में बसी भक्ति की तरंगों को कभी शांत न होने दें।

समुद्र देव ने अत्यंत विनय भाव से भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष यह संकल्प लिया कि वे द्वारका की पवित्रता को अपने गर्भ में सुरक्षित रखेंगे और युगों-युगों तक तट पर आने वाले भक्तों को उस दिव्य अतीत की अनुभूति कराते रहेंगे। यह भी माना जाता है कि उस क्षण भगवान श्रीकृष्ण ने समय और जल के बीच एक ऐसा अद्भुत संतुलन रचा जिससे भौतिक स्वरूप के विलुप्त होने के बावजूद आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रवाह सदैव जीवंत बना रहे।

जो साधक शांत मन से सागर के तट पर खड़े होकर उस दिव्य लीला का स्मरण करता है उसे यह अनुभूति होती है कि परिवर्तन संसार का नियम है परंतु सत्य और धर्म का सार कभी नष्ट नहीं होता।

यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि बाहरी संरचनाएं और भौतिक वैभव समय के साथ बदल सकते हैं लेकिन भीतर संजोया गया विश्वास और धर्म का मार्ग हमेशा अमर रहता है।

सुबह-सुबह स्कूल बसों में कैद होता बचपन!

बृज खंडेलवाल



सुबह का अंधेरा अभी पूरी तरह छँटा भी नहीं है। नींद से बोझिल आँखें, पीठ पर भारी बस्ते और चेहरों पर उदासी लिए बच्चे एक-एक करके स्कूल बस में चढ़ाए जा रहे हैं। दरवाजे पर खड़ा सख़्त चेहरे वाला ड्राइवर घड़ी देखता है। देर से आने वाले बच्चे को देखकर उसकी त्योरियाँ चढ़ जाती हैं। न मुस्कान, न स्वागत, न कोई अपनापन। बस जल्दी करो, अंदर बैठो!

कई बच्चों के चेहरे बता देते हैं कि उनका दिन अभी से बोझिल हो चुका है। कोई उनींदी आँखें मल रहा है, कोई चुपचाप खिड़की से बाहर देख रहा है। किसी के चेहरे पर नाराजगी है, तो कोई घर की गर्माहट छोड़ने से उदास है। बस चल पड़ती है, लेकिन हर कुछ मिनट बाद फिर रुकती है। एक और गली, एक और स्टॉप, एक और नींद से लड़ता बच्चा। अगले एक घंटे या उससे भी ज्यादा समय तक यही रोज का रूटीन दोहराया जाएगा।

न कोई बातचीत, न कोई दिलचस्प गतिविधि, न सीखने का कोई नया अनुभव। बस ट्रैफि क का शोर, इंजन की घरघराहट और ऊब से भरा लंबा इंतजार। जिस उम्र में बच्चों को खेलना, हँसना और दुनिया को जानना चाहिए, उस उम्र में वे रोज इस नीरस रस्म के हवाले कर दिए जाते हैं।

क्या यही है स्कूल जाने की शुरूआत? क्या स्कूल बस केवल बच्चों को एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाने का साधन है? या इसे ऐसी चलती-फिरती कक्षा बनाया जा सकता है, जहाँ सफर भी सीखने, मुस्कराने और कुछ नया जानने का मौका बने?

हर स्कूल-दिवस पर भारत के हजारों बच्चे ऐसे घंटे गँवा देते हैं, जो कभी लौटकर नहीं आएँगे। ये घंटे न कक्षा में जाते हैं, न खेल के मैदान में। ये ट्रैफि क में बर्बाद होते हैं।

हमारे शहर सड़कों से कहीं तेजी से फैल रहे हैं। स्कूल घरों से दूर होते जा रहे हैं। बसें भीड़ भरी गलियों, फ्लाईओवरों और निर्माण-स्थलों के बीच रेंगती हैं। कई बच्चों के लिए स्कूल का दिन पहली घंटी से बहुत पहले शुरू होता है और आखिरी घंटी के बहुत बाद खत्म होता है। यह कीमत वे चुपचाप, हर दिन चुकाते हैं।

एक ऐसे बच्चे को लीजिए जो हर तरफ 40 मिनट सफर करता है। यानी रोज 80 मिनट और साल भर में लगभग 267 घंटे। यह आठ घंटे के 33 से ज्यादा पूरे कार्यदिवसों के बराबर है। इतने दिन बच्चा बस की सीट पर बैठकर गुजार देता है।

कई बच्चों के लिए हालात इससे कहीं बदतर हैं। बेंगलुरु के रल्ल-35 गलियारे के 42 स्कूलों पर हुए एक गतिशीलता अध्ययन में बस की औसत दैनिक यात्रा 112.3 मिनट बताई गई। यह साल भर में लगभग 374 घंटे बैठता है, यानी 53 स्कूली दिनों के बराबर।

कल्पना कीजिए कि कोई स्कूल घोषणा करे कि वह हर बच्चे के साल के 53 दिन बर्बाद करेगा। अभिभावक आक्रोशित हो उठेंगे। फिर भी हम यही चुपचाप स्वीकार करते हैं, हर सुबह और हर दोपहर।

इन घंटों में बच्चे क्या करते हैं? बहुत-से ऊँघते हैं, झगड़ते हैं, बेचैन होते हैं या सड़क को सूनी नजरों से ताकते रहते हैं। ऊब बिना लड़े ही जीत जाती है।

हम इससे बेहतर कर सकते हैं।

एक ऐसी बस की कल्पना कीजिए जिसकी सुबह किसी लोकधुन से शुरू हो। फिर एक छोटी कहानी, विज्ञान का चौंकाने वाला तथ्य और दिन का नया शब्द। सड़क सुरक्षा, दयालुता या स्वच्छता पर तीन मिनट की बातचीत हो। किसी वैज्ञानिक, खिलाड़ी या स्वतंत्रता सेनानी की छोटी कहानी सुनाई जाए।

यह कोई चलता-फिरता परीक्षा-कक्ष नहीं है। शोर मचाता मनोरंजन-केंद्र भी नहीं। यह एक मित्रवत जगह है, जहाँ बच्चे रोज कुछ नया खोजते हैं। उनको ऑडियो सिस्टम पर जोश भरे देश भक्ति के गाने सुनाए जा सकते हैं।

बच्चे लंबे भाषणों से कम और कहानियों, गीतों तथा विचारों से ज्यादा सीखते हैं। तीन मिनट की कहानी वह सिखा सकती है जो लंबा उपदेश नहीं सिखा पाता। एक सुंदर लोकगीत बच्चे को अपनी जड़ों से जोड़ सकता है। कोई रोचक तथ्य पूरे दिन उसकी जिज्ञासा जगा सकता है।

दोपहर की यात्रा का मिजाज कुछ अलग हो सकता है। घंटों की पढ़ाई के बाद बच्चों को आराम चाहिए। वन्यजीवन की फि ल्में, एनिमेटेड विज्ञान कार्यक्रम, रोमांचक कहानियाँ और शिक्षाप्रद मनोरंजन घर लौटने के सफर को दिन का सबसे अच्छा हिस्सा बना सकते हैं।

शिक्षा पाठ्यपुस्तकों, होमवर्क और परीक्षाओं से कहीं बड़ी है। सुनना, सवाल पूछना, साझा करना और नई चीजें खोजना भी बच्चे को गढ़ते हैं।

ऑडियोबुक और कहानियाँ सुनने की क्षमता, शब्दभंडार और समझ बढ़ाती हैं। जिन बच्चों को पढ़ना कठिन लगता है, वे अक्सर सुनकर कहानियों से प्रेम करने लगते हैं। नदियों, जंगलों और वन्यजीवों पर कार्यक्रम किसी नन्हे पर्यावरण-प्रेमी को जगा सकते हैं।

अच्छी सामग्री बच्चों को आपस में बोलने, सवाल पूछने और विचार साझा करने के लिए प्रेरित करती है। कोई बचपन में और पाठ ठूँसने की बात नहीं कर रहा। मकसद उस समय को बचाना है जो पहले से बर्बाद हो रहा है। कुछ लोग कहेंगे कि बच्चे पहले ही स्क्रीन के सामने बहुत समय बिताते हैं। चिंता जायज है, लेकिन इसका जवाब पूरी तरह इनकार नहीं, बल्कि समझदारी और अनुशासन है।

सुबह का कार्यक्रम मुख्यतः ऑडियो पर आधारित हो। कहानियाँ, संगीत और जानकारी, बिना किसी स्क्रीन के। दोपहर में छोटे, सोच-समझकर चुने गए और उम्र के अनुकूल दृश्य कार्यक्रम दिखाए जा सकते हैं। भारतीय भाषाओं को इनमें उदार जगह मिलनी चाहिए।

इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने मनोरंजन के लिए स्क्रीन-समय की सीमाओं की सिफारिश की है। स्कूल उद्देश्यपूर्ण और निगरानी में चलने वाली सामग्री से इन सलाहों का सम्मान कर सकते हैं।

बच्चे भी कार्यक्रम के भागीदार बनें। वे अपनी घोषणाएँ रिकॉर्ड करें, तथ्य साझा करें, कहानियाँ सुनाएँ और छोटी क्विज में हिस्सा लें। कार्यक्रम में विविधता होनी चाहिए। पहियों पर चलता एक और भाषण कोई नहीं चाहता।

इसके लिए भारी निवेश की जरूरत नहीं है। स्कूल भरोसेमंद स्पीकर, छोटा मीडिया सिस्टम और चुनी हुई सामग्री से शुरूआत कर सकते हैं। जहाँ स्क्रीन लगें, उन्हें सुरक्षित ढंग से लगाया जाए।

शिक्षक, अभिभावक और बाल-विकास विशेषज्ञ मिलकर सामग्री तय करें। हर सप्ताह एक नया विषय हो। विज्ञान और प्रकृति, भारतीय साहित्य, लोककथाएँ, प्रेरक व्यक्तित्व, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सड़क सुरक्षा इसमें शामिल हों।

सुबह और दोपहर के कार्यक्रम अलग हों। बच्चों से भी विषय सुझाने को कहा जाए। उनकी पसंद और उम्र का ध्यान रखा जाए।

एक नियम सबसे जरूरी है। चालक का ध्यान पूरी तरह सड़क पर रहे। कोई कार्यक्रम वाहन के सुरक्षित संचालन में बाधा न बने। बस में प्रशिक्षित परिचारक बच्चों की देखभाल और कार्यक्रम संचालन की ज़िम्मेदारी संभाल सकते हैं।

बेहतर मार्ग-योजना, सुधरी सड़कें, स्कूल-समय में अंतराल और मोहल्लों के पास स्कूल, ये सब अनावश्यक यात्रा घटा सकते हैं। ये सुधार बेहद जरूरी हैं, लेकिन इनमें वर्षों लगेंगे। बच्चे आज सड़कों पर हैं। उनका बचपन यातायात व्यवस्था सुधरने तक इंतजार नहीं कर सकता। हमें अपरिहार्य यात्रा और टाली जा सकने वाली बबार्दी में फर्क करना होगा। सफर शायद अपरिहार्य है। बबार्दी नहीं।

स्कूल बस केवल यात्रियों को ढोने वाली पीली गाड़ी नहीं है। वह नन्हे दिमागों, असीम जिज्ञासा और देश के भविष्य को लेकर चलती है। फिर उसकी क्षमता को यूँ ही अनछुआ क्यों छोड़ दिया जाए?

स्कूल प्रबंधनों, अभिभावकों, शिक्षाविदों और परिवहन अधिकारियों के सामने एक सीधी चुनौती है। इसी सत्र में किसी एक बस मार्ग पर यह प्रयोग शुरू कीजिए। बच्चों की जिज्ञासा, खुशी, बातचीत और व्यवहार में बदलाव देखिए।

हेलमेट महंगा है, या जिंदगी!

डॉ. दीपक गोस्वामी

एक प्रतिष्ठित अभियांत्रिकी महाविद्यालय में छात्राओं को निःशुल्क हेलमेट वितरित किए जा रहे थे। हाथों में चमचमाते हेलमेट थे, चेहरों पर मुस्कान थी और तस्वीरों में सुरक्षा अभियान की सफलता दिखाई दे रही थी।
मैंने एक दुबली-पतली छात्रा से पूछा, "बेटी, हेलमेट मिल गया, अब इसका क्या करोगी?"
उसने सहजता से कहा, 'सेफ्टी फर्स्ट।'
सवाल छोटा था, उत्तर भी सटीक ,लेकिन उसके भीतर भारतीय सड़क संस्कृति की एक बड़ी विसंगति छिपी थी।
सुरक्षा पर भाषण देने में हम आगे हैं, सुरक्षा अपनाने में कितने पीछे हैं!
प्रश्न किसी को कटघरे में खड़ा करना उद्देश्य नहीं। सवाल उस मानसिकता से है जो हेलमेट पहनने से पहले उसकी तस्वीर खिंचवाती है, नियम पालन से पहले पुलिस की उपस्थिति देखती है और दुर्घटना के बाद व्यवस्था को कोसती है।
सुरक्षा का नारा सिर नहीं बचाता, सिर पर पहना हेलमेट बचाव की संभावना बढ़ाता है।
सड़क पर रोज 485 मौतें : किसे जगाएगा यह आँकड़ा?
भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की वर्ष 2024 की रिपोर्ट के अनुसार देश में 4,87,707 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं। इनमें 1,77,175 लोगों की मृत्यु और 4,71,441 लोग घायल हुए।
अर्थात् प्रतिदिन औसतन 485 लोगों की मृत्यु!
यह किसी युद्ध का आँकड़ा नहीं, हमारी सड़कों की वास्तविकता है।
वर्ष 2024 में सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए लोगों में 81,780 दोपहिया वाहन उपयोगकर्ता थे। कुल मृतकों में उनकी हिस्सेदारी 46.2 प्रतिशत थी।
बिना हेलमेट दुर्घटनाओं में 54,122 मौतें दर्ज हुईं। इनमें 39,470 चालक और 14,652 पीछे बैठे यात्री हेलमेट नहीं पहनने के बहाने, मौत के सामने कितने टिकेंगे?
बाल बिगड़ जाएँगे!
गर्मी लगती है!
रास्ता बहुत छोटा है!
पुलिस दिखाई नहीं दे रही!
हेलमेट डिक्की में रखा है!
सवाल है—क्या दुर्घटना भी रास्ते की लंबाई देखकर आती है? क्या सिर की हड्डियाँ पुलिस चौकी देखकर मजबूत हो जाती हैं? क्या अस्पताल पहुँचकर बिगड़े बालों की चिंता होगी या जीवन बचने की?
कुछ लोग हजारों रुपये का मोबाइल खरीदते हैं, महँगी मोटरसाइकिल चलाते हैं, लेकिन सिर की सुरक्षा के लिए प्रमाणित हेलमेट खरीदने में कंजूसी करते हैं।
यह आर्थिक विवशता नहीं, अनेक बार प्राथमिकताओं की गंभीर भूल है।
विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सही हेलमेट मृत्यु का जोखिम छह गुने से अधिक घटा सकता है और मस्तिष्क की चोट का जोखिम लगभग 74 प्रतिशत कम कर सकता है। हेलमेट कोई अभेद्य कवच नहीं है। यह दुर्घटना को रोकता नहीं, लेकिन उसके परिणामों की गंभीरता कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
सही आकार, मानक प्रमाणन और ठोड़ी की पट्टी का बँधा होना अनिवार्य है। केवल सिर पर रख लेना भी पर्याप्त नहीं।
असली दुर्घटना सड़क पर नहीं, हमारी सोच में शुरू होती है! तेज गति को बहादुरी समझना, गलत दिशा में वाहन चलाना, लाल बत्ती पार करना, चलते वाहन पर मोबाइल देखना और नशे में वाहन चलाना—ये आधुनिक सड़क संस्कृति के ऐसे अपराधी व्यवहार हैं, जिनका खामियाजा निर्दोष लोग भी भुगतते हैं।
सड़क पर वाहन चलाना व्यक्तिगत स्वतंत्रता अवश्य है, लेकिन दूसरों की जिंदगी को जोखिम में डालने का अधिकार नहीं।
एक बाइक पर तीन लोग बैठाकर निकलने वाला व्यक्ति केवल नियम नहीं तोड़ता, वह अपने परिवार और सहयात्रियों को अनावश्यक जोखिम में डालता है।
बिना संकेत मोड़ने वाला चालक पीछे आने वाले की सुरक्षा से खिलवाड़ करता है।
गलत दिशा में दौड़ता वाहन सामने से आने वाले व्यक्ति को उसकी गलती के बिना भी दुर्घटना का शिकार बना सकता है। और सबसे विचित्र व्यवहार—दुर्घटना देखकर घायल की सहायता करने के बजाय मोबाइल निकालकर वीडियो बनाना! क्या हम इतने संवेदनहीन हो गए हैं कि किसी की अंतिम साँस भी हमारे लिए दृश्य सामग्री बन गई है?
महाविद्यालय : उपहार वितरण नहीं, व्यवहार परिवर्तन की प्रयोगशाला बनें
प्रश्न कितने विद्यार्थी हेलमेट पहनकर आए?
विद्यालयों में चालक और पीछे बैठे यात्री दोनों के लिए हेलमेट अनिवार्य हो। प्रमाणित हेलमेट की पहचान, सही आकार और पट्टी बाँधने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाए। बिना हेलमेट दोपहिया प्रवेश पर स्पष्ट और समान नियम लागू हों।
विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा का दूत बनाया जाए। हर विद्यार्थी अपने परिवार में यह सुनिश्चित करे कि कोई सदस्य बिना हेलमेट दोपहिया पर न निकले।
सुरक्षा का अर्थ केवल हेलमेट उपयोग नहीं, सुरक्षित उपयोग और आवागमन, सड़क पर सम्मान और आत्मविश्वास भी है।
शिक्षा का प्रमाणपत्र हाथ में और सुरक्षा का हेलमेट डिक्की में—यह कैसी आधुनिकता है?
सरकार और प्रशासन भी जवाब दें
सारी जिम्मेदारी नागरिकों पर डाल देना आसान है। लेकिन सड़क सुरक्षित बनाना किसका दायित्व है?
जहाँ गड्ढे हैं, वहाँ मरम्मत कौन करेगा?
जहाँ अंधे मोड़ हैं, वहाँ चेतावनी संकेत कौन लगाएगा?
जहाँ विद्यालय के सामने तेज वाहन गुजरते हैं, वहाँ सुरक्षित पार-पथ कौन बनाएगा?
जहाँ रात में प्रकाश नहीं है, वहाँ व्यवस्था कौन करेगा?
जहाँ दुर्घटनाएँ बार-बार होती हैं, वहाँ कारणों का वैज्ञानिक परीक्षण कौन करेगा?
पुलिस का काम केवल चालान काटना नहीं, नियमों का निष्पक्ष प्रवर्तन और सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहयोग करना भी है।
प्रशासन को सड़क अभियांत्रिकी, गति नियंत्रण, संकेतक, प्रकाश व्यवस्था और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों के सुधार पर जवाबदेह होना चाहिए।
सरकार, पुलिस, महाविद्यालय, वाहन निमार्ता और नागरिक—सभी की भूमिका है। सुरक्षित सड़क किसी एक विभाग की उपलब्धि नहीं, साझा व्यवस्था का परिणाम है।
अंतिम जन की जिंदगी भी उतनी ही कीमती है
सड़क सुरक्षा की असली परीक्षा गाँव के मजदूर, खेत से लौटते किसान, छोटे कस्बे की महिला और रोजी कमाने के लिए मोटरसाइकिल चलाने वाले युवक के बीच होगी।
क्या उन्हें प्रमाणित हेलमेट सुलभ है?
क्या उन्हें सुरक्षा के सही तरीके मालूम हैं?
क्या उनके गाँव की सड़क पर पर्याप्त प्रकाश और संकेतक हैं?

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 23 नवंबर 2026 सोमवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।



मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष वृष कर्क सिंह तुला और कुंभ राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। सोमवार का दिन देवों के देव महादेव और मन के कारक चंद्रमा की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन शिवालय में जाकर शुद्ध जल और बेलपत्र अर्पित करने तथा महामृत्युंजय मंत्र का जप करने से जीवन के सभी संकट दूर होते हैं और मानसिक शांति तथा सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। भगवान शिव को बेलपत्र अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। शिवलिंग पर कच्चा दूध अर्पित करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। रुद्राष्टकं का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में वृद्धि हो।

कर्क

आज भूमि भवन या अचल संपत्ति के क्रय-विक्रय



से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। शिव मंदिर में सफेद चंदन भेंट करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।

सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत और सुदृढ़ होगी। भगवान शिव का गन्ने के रस से अभिषेक करें जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। किसी जरूरतमंद को चावल और चीनी दान करें जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

तुला

आज कला संस्कृति और जनसंपर्क क्षेत्र से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। शिवालय में सफेद पुष्प अर्पित करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। शिव पंचाक्षर स्तोत्र का पाठ करें जिससे आपके सभी विरोधी शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। शिवालय में शुद्ध घी का दीपक जलाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। सोमवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। महामृत्युंजय मंत्र का जप करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। भगवान शिव के चरणों में प्रणाम करके दिन की शुरूआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

सोमवार के दिन घर की उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां शुद्ध जल से भरा कलश स्थापित करने तथा मुख्य द्वार पर स्वच्छता बनाए रखने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा भगवान शिव की कृपा से घर में शांति, सद्भाव और स्थायी सुख-समृद्धि का वास होता है।

समाधान दिवस में उमड़ी शिकायतों की भीड़

राजस्व विभाग के खिलाफ सबसे ज्यादा फरियाद!

- महावन में डीएम-एसएसपी की संयुक्त अध्यक्षता में समाधान दिवस
- जमीन और राजस्व विवादों की शिकायतों का रहा दबदबा
- पांच तहसीलों में 79 शिकायतें, 16 का मौके पर निस्तारण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में तहसील महावन के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जनसामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक प्रकरण में शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से राजस्व एवं भूमि विवाद से संबंधित मामलों में राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनशिकायतों का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अतः सभी अधिकारी शिकायतों के प्रति संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी का परिचय देते हुए निर्धारित समयावधि में उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए तथा निस्तारण की कार्यवाही में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों को निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।उप जिलाधिकारी महावन प्राजक्ता त्रिपाठी ने अवगत कराया है कि सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान तहसील महावन में कुल 10 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 02 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। उप जिलाधिकारी सदर मोहित कुमार ने अवगत कराया है कि तहसील दिवस में 18 शिकायतें प्राप्त हुई है तथा 07 का मौके पर निस्तारण किया गया।

उप जिलाधिकारी मांट चंद्रभूषण प्रताप ने अवगत कराया कि मांट तहसील में 24 शिकायतें प्राप्त हुई और 04 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। उप जिलाधिकारी गोवर्धन संजय सिंह ने बताया कि गोवर्धन तहसील में 20 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 03 का मौके पर निस्तारण किया गया। उप जिलाधिकारी छाता साक्षी शर्मा ने अवगत कराया कि छाता तहसील में 17 शिकायतें प्राप्त हुई है।

वोटर लिस्ट पर प्रशासन का प्रहार, छूटे नामों को जोड़ने का महाअभियान!

युवा-महिलाओं समेत पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने को विशेष अभियान

- डीएम-एसएसपी ने शिविरों का किया निरीक्षण, बीएलओ को दिए सख्त निर्देश
- 18 वर्ष पूरे कर चुके युवाओं के लिए मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का मौका

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निदेशों के क्रम में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के अंतर्गत शनिवार को जनपद के समस्त मतदेय स्थलों पर विशेष अभियान दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय, महावन में आयोजित विशेष मतदाता पंजीकरण शिविरों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) से शिविरों में प्राप्त आवेदनों, नए मतदाताओं के पंजीकरण तथा निर्वाचक नामावली में संशोधन एवं विलोपन से संबंधित कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि विशेष अभियान दिवस का अधिकतम लाभ पात्र नागरिकों तक पहुंचाया जाए तथा 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं एवं आगामी अर्हता तिथि के आधार पर पात्र होने वाले नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं।जिलाधिकारी ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि पात्र युवाओं एवं महिलाओं का अधिकाधिक संख्या में पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। इसके लिए बीएलओ अपने-अपने मतदेय स्थलों पर सक्रिय रहकर आमजन को मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दें तथा उन्हें आवश्यक प्रपत्र भरने में सहयोग प्रदान करें।

उन्होंने कहा कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का उद्देश्य निर्वाचक नामावली को अधिकाधिक समावेशी, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है। इसके अंतर्गत नए मतदाताओं का नाम जोड़ने के साथ-साथ मतदाता सूची में दर्ज प्रविष्टियों की शुद्धता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मतदाताओं के नाम, पते एवं अन्य विवरणों में त्रुटियों के सुधार तथा नियमानुसार अपात्र एवं मृत मतदाताओं के नामों के विलोपन की प्रक्रिया भी निर्धारित प्रावधानों के अनुसार सुनिश्चित की जाए।विशेष अभियान दिवस के दौरान सभी मतदेय स्थलों पर बीएलओ की उपस्थिति में शिविर आयोजित किए गए, जिनमें पात्र नागरिकों द्वारा मतदाता सूची में नाम सम्मिलित कराने हेतु फॉर्म-6, मतदाता सूची से नाम हटाने हेतु फॉर्म-7 तथा नाम, पता एवं अन्य विवरणों में संशोधन अथवा मतदाता पहचान पत्र के प्रतिस्थापन आदि के लिए फॉर्म-8 भरवाए गए। बीएलओ द्वारा शिविरों में आने वाले नागरिकों को आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों एवं मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की जानकारी दी गई। साथ ही आमजन को विशेष अभियान दिवस का लाभ उठाने तथा अपने परिवार एवं आसपास के पात्र नागरिकों को भी मतदाता पंजीकरण के लिए प्रेरित किया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक पात्र नागरिक की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची में नाम दर्ज होना मतदान के अधिकार के प्रयोग की पहली और आवश्यक प्रक्रिया है। इसलिए सभी पात्र नागरिक स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार के पात्र सदस्यों, विशेषकर युवाओं एवं महिलाओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने में सहयोग करें।

टेढ़े-मेढ़े ठाकुर की नगरी में पहुंचे धीरेंद्र शास्त्री

ब्रजवासियों के चरणों में रगड़ी नाक!

- बार वृंदावन पहुंचे धीरेंद्र शास्त्री
- बिहारी जी के दरबार में माथा टेककर की पूजा-अर्चना
- टेढ़े-मेढ़े ठाकुर और टेढ़े हनुमान के जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर
- बोले- सनातनी बनकर सेवा करो, बरसाती मेंढकों से बचकर रहो

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



टेढ़े मेड़े ठाकुर जी के बयान से चर्चित रहे बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र शास्त्री पहली बार वृंदावन पहुचे। कहा कि ब्रज वासियों के चरणों में नाक रगड़ कर प्रणाम। आगे कहा

टेढ़े मेड़े ठाकुर जी की नगरी में आया हूं।

शनिवार को सायंकाल पहुंचकर शास्त्री ने बिहारी जी मंदिर में पूजा अर्चना की। यहीं से उन्होंने जोश में टेढ़े मेड़े ठाकुर जी जयघोष किया। टेढ़े हनुमान की जयकारे भी लगवाए।

पत्रकारों के दागे प्रश्नों का बड़ी ही सहजता से उत्तर दिया।

उन्होंने कहा कि व्यक्ति का व्यक्तित्व तभी बड़ा होता है जब वह सनातनी होकर सेवा में आगे रहता है। कुछ लोग ऐसे भी सनातनी हैं, जो हैं नहीं और बने हैं। ऐसे बरसाती मेंढ़कों से बचकर रहना।

शास्त्री ने कहा कि वह 99 वर्ष के बाबू जी, समाजसेवी मान सिंह के जन्मोत्सव में आए हैं। इसके बाद वह गौरी गोपाल आश्रम में आयोजित कन्या विवाह में शामिल होंगे।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह जब तक जीवित रहेंगे तब तक अपने प्यारे ठाकुर जी को ऐसे ही लाड लड़ाएंगे। आगे कहा कि हिन्दुओं को बनने नहीं देंगे।एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि साधु हैं, राजनीतिक से कोई लेना देना नहीं है।

श्याम ढाक में छलका कान्हा का प्रेम

छाक लीला में डूबे हजारों ब्रजयात्री!

- 'कोई मोते लै लेओ री गोपाला' भजन पर उमड़ा भक्ति का भाव
- ढाक के पत्तों से बने दोने में दही खिलाने की लीला का हुआ सजीव वर्णन
- 10 हजार श्रद्धालुओं के साथ पद्मश्री रमेश बाबा के सान्निध्य में जारी राधारानी ब्रजयात्रा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



ब्रज की लीलास्थलियों में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का स्मरण करते हुए निकाली जा रही श्रीराधारानी ब्रजयात्रा में शनिवार को श्याम ढाक की छाक लीला ने यात्रियों को भावविभोर कर दिया। साध्वी गौरी ने जैसे ही प्रसिद्ध भजन ह्यकोई मोते लै लेओ री गोपालाह्न का गायन किया, हजारों यात्रियों के बीच भक्ति और प्रेम की ऐसी धारा बही कि हर कोई श्रीकृष्ण की लीलाओं में खो गया। भजन के माध्यम से उन्होंने गोपियों के उस अनन्य प्रेम का भाव प्रस्तुत किया, जिसमें दही बेचने निकली गोपी संसार के व्यापार को भूलकर स्वयं गोपाल को ही खरीदने की पुकार लगाने लगती है।

छाक लीला का प्रसंग सुनाते हुए साध्वी गौरी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण के लिए दही लेकर पहुंचने की जल्दी में गोपी पात्र ले जाना ही भूल जाती है। ऐसे में श्याम ढाक के पत्तों से बने दोनों में दही परोसकर कान्हा को खिलाने का भाव प्रकट करती है। इसी प्रसंग में लोकगीत की पंक्तियां ह्यश्याम ढाक के दोना, दही पीजा श्याम सलोनाह्न का गायन हुआ। उन्होंने बताया कि श्याम ढाक क्षेत्र में पहले ढाक के बहुत से पौधे हुआ करते थे। इनके पत्ते प्राकृतिक रूप से दोने के आकार में बनते थे। ब्रज की लोकपरंपरा में इन पत्तों से बने दोनों का विशेष महत्व रहा है। भगवान श्रीकृष्ण की ऐसी ही बाल लीलाओं का गायन और स्मरण ब्रजयात्रियों को ब्रज के प्राचीन स्वरूप और आध्यात्मिक भाव से जोड़ता है।

गौरतलब है कि पद्मश्री संत रमेश बाबा के सान्निध्य में प्रतिवर्ष निकलने वाली श्रीराधारानी ब्रजयात्रा इस वर्ष 25 अक्टूबर को बरसाना से प्रारंभ हुई थी।

करीब 10 हजार श्रद्धालु इस निःशुल्क यात्रा में सम्मिलित हैं। यात्रा में चौबीस घंटे हरिनाम संकीर्तन चलता रहता है तथा प्रत्येक लीलास्थली पर वहां की प्राचीन लीलाओं का गायन और प्रसंग सुनाए जाते हैं। शनिवार को यात्रा पूछरी से चलकर श्याम ढाक, बरौली चौथ और सामई खेरा होते हुए उमराव गांव पहुंची, जहां यात्रियों ने रात्रि विश्राम किया।

यात्रा के सचिव ब्रजदास ने बताया कि रविवार से ब्रजयात्रा ब्रज के पर्वतीय क्षेत्रों में भ्रमण कर विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन करेगी। रविवार को यात्रा ताकोली में पड़ाव डालेगी। इसके बाद आज बद्री में प्रणाम और केदारनाथ भगवान की तलहटी में यात्रियों का प्रवास होगा। यात्रा का अंतिम पड़ाव 26 और 27 नवंबर को कामवन में रहेगा।

इस अवसर पर मांट मंदिर के महंत ब्रजशरण दास, राधाकांत शास्त्री, महेश शास्त्री, बाबा नृसिंह दास, ब्रजदास, राजकुमार गरुण, ब्रजनंदन, प्रभुदास और साध्वी गौरी सहित अनेक संत,प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अचीवर्स के आगे जीएसए ने टेके घुटने

78 रन से दर्ज की धमाकेदार जीत!

मथुरा। जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित श्री किशोरी रमन वार्ष्णेय स्मृति जिला क्रिकेट लीग 2026 अचीवर्स क्रिकेट अकादमी ने 78 रन से मैच जीता।

प्रतियोगिता का पांचवा मैच अचीवर्स क्रिकेट अकादमी,मथुरा व जीएसए , वृन्दावन के मध्य वृन्दावन क्रिकेट अकादमी के ग्राउंड पर खेला गया।

आज सुबह जी. एस. ए वृन्दावन ने टॉस जीत कर पहले गेन्दबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अचीवर्स क्रिकेट अकादमी की टीम निर्धारित 25 ओवर में 8 विकेट खोकर 174 रन बनाये।जिनकी ओर से बल्लेबाजी करते हुऐ आदित्य सिंह ने शानदार 55 रन, विमल विधुरी ने 36 रन, तथा गोविन्द शर्मा ने 29 रन का योगदान दिया। जी. एस. ए क्रिकेट अकादमी, वृन्दावन की ओर से आसिफ कुरैसी ने 3 विकेट , आयुष ने 3 तथा शरीफ , धैर्य ने 1-1 विकेट लिए । जवाब मे बल्लेबाजी करने उत्तरी जी. एस ए क्रिकेट अकादमी,वृन्दावन की टीम ने 16.4 ओवर मे 10 विकेट खोकर 96 रन ही बना सकी और अचीवर्स क्रिकेट अकादमी ने 78 रन से मैच जीत लिया । जी. एस. ए ,वृन्दावन की ओर से आसिफ कुरैशी ने 18 रन और विनीत चौधरी ने 15 रन, शरीफ ने 12 रन का योगदान दिया। अचीवर्स क्रिकेट अकादमी की ओर से गेन्दबाजी करते हुए मोहित सिरोही ने 4 विकेट और विमल विधुरी ने 2 विकेट तथा देवराज, उपेंद्र ने 1-1 विकेट लिया । मैच मे अंपायर अनिल आहूजा और रोहित सिंह रहे स्कॉरिंग मोहम्मद असलम खान ने की । इस अवसर जिला क्रिकेट संघ के सचिव कमल चावला कोषाध्यक्ष आशुतोष दीक्षित आदि लोग मौजूद रहे। आज के मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाडी पुरुष्कार मोहित सिरोही को बंसी लाल अग्रवाल प्रदान किया।

छात्राओं को मिली सुविधाओं की सौगात

मथुरा। आर्य समाज रेलवे फाटक के समीप स्थापित लक्ष्मण प्रसाद चतुर्वेद आर्य कन्या इंटर कॉलेज में अध्ययनरत छात्राओं की सुविधा के लिए एक बड़ी सौगात वेक अप वेलफेयर फाउंडेशन (हवज्ञ) के सहयोग प्रदत्त की गई है, जिसमें नव निर्मित 10 शौचालय और 1 स्नानघर का भव्य उद्घाटन मुख्य अतिथि रमाकांत गोस्वामी , दीर्घ विष्णु मंदिर के महंत कांता नाथ चतुर्वेदी, मूलचंद गर्ग आदि द्वारा फीता काट कर किया। उद्घाटन समारोह में विद्यालय की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

यह पूरा निर्माण वेक अप वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग से कराया गया है। फाउंडेशन लगातार शिक्षा और स्वच्छता के क्षेत्र में काम कर रहा है। फाउंडेशन के संस्थापक तथा इंटर कॉलेज के प्रबंधक सीए ब्रजेश दत्त चतुर्वेदी ने बताया कि विगत कई वर्षों से संचालित इस इंटर कॉलेज में मूलभूत सुविधाओं की बेहद आवश्यकता थी जिसमें छात्राओं के लिए शुद्ध पीने का पानी भी नहीं था जिसे देखते हुए फाउंडेशन द्वारा कॉलेज में 10 नए शौचालय, एक स्नानघर तथा पीने के पानी का आर ओ लगवाया गया है और आगे भी जो आवश्यकताएं सामने आयेंगे उन्हें पूर्ण किया जाएगा।

जनगणना के लिए खाकी का शक्ति संकल्प!

पुलिस लाइन में जवानों ने भरी हुंकार, स्व-गणना कर अभियान से जुडे

- जनगणना-2027 की प्रक्रिया और महत्व से पुलिसकर्मियों को कराया अवगत
- पुलिस एवं यूनिफॉर्म फोर्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित
- स्व-गणना कराई, अभियान में सक्रिय भागीदारी का दिलाया संकल्प

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत दिनांक 21 नवंबर 2026 को समर्पित दिवस पुलिस एवं यूनिफॉर्म फोर्स दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन, मथुरा स्थित सभागार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त पुलिसकर्मियों को जनगणना के महत्व, उद्देश्य एवं जनगणना की प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही पुलिसकर्मियों को स्व-गणना के प्रति जागरूक करते हुए उनकी स्व-गणना भी संपन्न कराई गई।

कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस एवं यूनिफॉर्म फोर्स के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना-2027 की प्रक्रिया से जोड़ना तथा स्व-गणना के माध्यम से जनगणना अभियान में उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना रहा।

इस अवसर पर जनगणना प्रभारी निदेशालय से आए जिला प्रभारी मृगेन्द्र सिंह, सह-प्रभारी श्री अभिषेक पांडेय, जिला जनगणना सहायक कपिल यदुवंशी, तकनीकी सहायक अंकुर सक्सेना एवं ऋषभ कुमार तथा पुलिस लाइन के प्रतिसार निरीक्षक एवं उपनिरीक्षक श्री राकेश कुमार बघेल एवं उपनिरीक्षक श्री ओम प्रकाश उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के माध्यम से पुलिसकर्मियों से जनगणना-2027 के सफल क्रियान्वयन में सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता का आह्वान किया गया।

वंचितों की आवाज बुलंद करने को कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन!

22 नवंबर को दामोदरपुरा में जुटेंगे दिग्गज

- सामाजिक न्याय, जातिगत जनगणना और आबादी के अनुपात में अधिकारों की मांग
- राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में सम्मेलन, गांव-गांव न्योता
- ब्लॉक स्तर तक जिम्मेदारियां तय, पिछड़े-दलित और कमजोर वर्गों को जोड़ने की कवायद

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



पूर्व मंत्री पंडित श्याम सुंदर शर्मा ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है, जब समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर और सम्मान मिले।

श्री शर्मा शनिवार को कांग्रेस कार्यालय पर पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए हैं। आज आवश्यकता है कि इन अधिकारों को धरातल पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा में लाने का संकल्प है।

जिला कांग्रेस कमेटी मथुरा द्वारा आगामी 22 नवंबर 2026 को ग्राम दामोदरपुरा स्थित होली पार्क में आयोजित होने वाले सामाजिक न्याय एवं भागीदारी सम्मेलन की तैयारियों को कमर कसी।कांग्रेस जिला कमेटी के अध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि सामाजिक न्याय कांग्रेस की विचारधारा का मूल आधार है। देश और प्रदेश में पिछड़े, दलित, शोषित एवं वंचित समाज को उनकी आबादी के अनुपात में अधिकार, सम्मान और भागीदारी मिलनी चाहिए।उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जातिगत जनगणना, सामाजिक और आर्थिक समानता तथा संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर सिंह निषाद ने कहा कि सामाजिक न्याय और भागीदारी का प्रश्न आज देश की राजनीति का महत्वपूर्ण विषय है। जब तक पिछड़े, दलित और कमजोर वर्गों को शिक्षा, रोजगार, राजनीति और प्रशासन में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलेगा, तब तक समतामूलक समाज की परिकल्पना पूरी नहीं हो सकती। राजन पाठक ने सम्मेलन को सफल बनाने का आह्वान किया।

प्रेस वार्ता में केके गौतम, बलवीर प्रधान, प्रवीण ठाकुर, डॉ अशोक सैनी, काशन रिजवी, मृणाल मिश्रा, रमेश कश्यप, करन निषाद, पंकज चौधरी, धर्मेंद्र सिंह प्रधान, मोहन नेताजी, दीपक दीक्षित, अमित दीक्षित, राजा गौतम, शैलेंद्र चौधरी, हरदेव सिंह, अशोक निषाद सहित आदि उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, कांग्रेस ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना', राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी, कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता वीरेंद्र चौधरी तथा कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव शामिल होंगे। सम्मेलन को सफल बनाने के लिए जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

शादी के घर में खूनी खेल!

दूल्हे के पिता की मौत, जीजा पर हत्या का आरोप

मथुरा। गोवर्धन इलाके मंडी के पीछे शादी वाले घर में दूल्हे की पिता ओम प्रकाश की हत्या से हड़कंप मच गया। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई।

इस सम्बन्ध में एस एस पी ने बताया कि थाना क्षेत्र गोवर्धन में एक शादी का आयोजन चल रहा था, तभी यह सूचना प्राप्त हुई कि जो लड़का है उसके पिताजी मृत अवस्था में मिले हैं । मौके पर पुलिस टीम के द्वारा आकर जांच किया गया तो यह पाया गया कि जहां शादी का कार्यक्रम हो रहा था वहीं से पास में जनमासा था और इस बीच में एक खेत है जिससे कि रास्ता जा रहा है । वहीं खेत के पास में एक खाली पड़े प्लॉट में उनकी बॉडी मिली और उनके गले पर चोट के निशान पाए गए हैं । पूछताछ पर परिवार के द्वारा यह बताया गया कि जो मृतक है उनका दामाद, सुखबीर निवासी बर्रा अलीगढ ने यह धमकी दी थी कि शादी वाले दिन तुम्हारे घर में खून बहेगा । और इनके द्वारा उसके ऊपर आशंका जाहिर करते हुए तहरीर दी गई है । और मृतक के बेटे द्वारा यह बताया गया कि जब वह बस से यहां आ रहे थे तो रास्ते में उसने अपने जीजा को देखा भी था । इस तहरीर के आधार पर उसके विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया है तथा जो नामजद अभियुक्त है उसकी गिरफ्तारी के लिए टीम रवाना है। शीघ्र ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

भारत बनाम न्यूजीलैंड: बल्लेबाजी के तरीके में केएल राहुल ने किया बदलाव

एजेंसी, वेलिंगटन।

भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल का मानना है कि उनके करियर के मुश्किल दौर में तकनीक कभी समस्या नहीं थी, बल्कि असली चुनौती परिस्थितियों के मुताबिक सही बल्लेबाजी का तरीका तलाशने की थी। राहुल ने कहा कि उन्होंने हर गेंद को खेलने और बल्ला लगाने की आदत से बाहर निकलकर धैर्य के साथ बल्लेबाजी करना सीखा, जिसका फायदा उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में मिला।राहुल की ऐतिहासिक पारी

राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में 290 गेंदों पर 136 रन की शानदार पारी खेली। यह उनके टेस्ट करियर का 13वां शतक था। इस शतक के साथ ही उन्होंने एएठअ देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में टेस्ट शतक लगाने की उपलब्धि भी हासिल कर ली। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट पर 486 रन बना लिए और पहली पारी में 118 रन की बढ़त हासिल कर ली।

अपनी बल्लेबाजी को लेकर खुलकर की बात

दिन का खेल खत्म होने के बाद राहुल ने अपने बल्लेबाजी के तरीके में आए बदलाव पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए उनके अंदर हर गेंद पर बल्ला लगाने की आदत विकसित हो गई थी, जो सीम और स्विंग वाली परिस्थितियों में नुकसानदायक साबित हो सकती है। राहुल ने कहा, तकनीक कभी समस्या नहीं थी। मध्यक्रम में उन 15 महीनों के दौरान मुझे हर गेंद पर बल्ला लगाने की आदत हो गई थी। लेकिन सीम वाली परिस्थितियों में गेंद और बल्ले के बीच कम संपर्क रखना ही सबसे बेहतर तरीका हो सकता है।

राहुल ने बताया कि न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने के लिए उन्होंने पहले से तैयारी की थी। उनका ध्यान किसी खास तकनीकी बदलाव के बजाय सही गार्ड और बल्लेबाजी की पोजिशन तलाशने पर था, ताकि परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढाल सकें। राहुल ने कहा, यह उपलब्धि हासिल करके बहुत अच्छा लग रहा है। मैं यहां करीब तीन सप्ताह से हूं। इंडिया-ए की ओर से खेलते हुए ज्यादा रन नहीं बना पाया, लेकिन नेट्स में काफी समय बिताया और यह समझने की कोशिश की कि यहां रन कैसे बनाए जा सकते हैं। मेरे पास स्पष्ट योजनाएं थीं। जब आप मेहनत करते हैं, तो उसका नतीजा प्रदर्शन में दिखाई देता है।



न्यूजीलैंड में यह राहुल का पहला टेस्ट मैच था। अपने 71 मैचों के टेस्ट करियर में इससे पहले उन्हें न्यूजीलैंड में खेलने का मौका नहीं मिला था। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह इस मुकाबले को लेकर किसी तरह के अतिरिक्त दबाव या उत्साह में नहीं थे, बल्कि इसे खुद को परखने के अवसर के रूप में देख रहे थे। राहुल ने कहा, मैं कभी बहुत ज्यादा उत्साहित नहीं होता। यह एक ऐसा मौका था, जिसे मैं गंवाना नहीं चाहता था। जब आप इतने लंबे समय तक टेस्ट क्रिकेट खेलते हैं, तो दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ खुद को चुनौती देने का ऐसा अवसर मिलता है।

कई महीने से न्यूजीलैंड दौरे की तैयारी शुरू की

उन्होंने बताया कि न्यूजीलैंड दौरे की तैयारी उन्होंने कई महीने पहले ही शुरू कर दी थी। नेट्स में बल्लेबाजी के दौरान उन्होंने अलग-अलग गार्ड और पोजिशन आजमाईं। इसके अलावा उन्होंने उन बल्लेबाजों के वीडियो भी देखे, जिन्होंने पहले न्यूजीलैंड में रन बनाए थे। राहुल ने कहा, जब मैं नेट्स में उतरा तो मेरे दिमाग में कोई खास तकनीक नहीं थी। मैंने काफी गेंदें खेलीं और यह समझने की कोशिश की कि मुझे किस तरह का गार्ड और पोजिशन अपनानी चाहिए, जिससे मेरे रन बनाने की संभावना बढ़े। हालांकि, इसकी कोई गारंटी नहीं होती। मैंने उन खिलाड़ियों के वीडियो भी देखे, जिन्होंने पहले न्यूजीलैंड में रन बनाए हैं।

राहुल की ऐतिहासिक पारी

राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में 290 गेंदों पर 136 रन की शानदार पारी खेली। यह उनके टेस्ट करियर का 13वां शतक था। इस शतक के साथ ही उन्होंने एएठअ देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में टेस्ट शतक लगाने की उपलब्धि भी हासिल कर ली। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट पर 486 रन बना लिए और पहली पारी में 118 रन की बढ़त हासिल कर ली।

अपनी बल्लेबाजी को लेकर खुलकर की बात

दिन का खेल खत्म होने के बाद राहुल ने अपने बल्लेबाजी के तरीके में आए बदलाव पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए उनके अंदर हर गेंद पर बल्ला लगाने की आदत विकसित हो गई थी, जो सीम और स्विंग वाली परिस्थितियों में नुकसानदायक साबित हो सकती है। राहुल ने कहा, तकनीक कभी समस्या नहीं थी। मध्यक्रम में उन 15 महीनों के दौरान मुझे हर गेंद पर बल्ला लगाने की आदत हो गई थी। लेकिन सीम वाली परिस्थितियों में गेंद और बल्ले के बीच कम संपर्क रखना ही सबसे बेहतर तरीका हो सकता है।

राहुल ने बताया कि न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने के लिए उन्होंने पहले से तैयारी की थी। उनका ध्यान किसी खास तकनीकी बदलाव के बजाय सही गार्ड और बल्लेबाजी की पोजिशन तलाशने पर था, ताकि परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढाल सकें। राहुल ने कहा, यह उपलब्धि हासिल करके बहुत अच्छा लग रहा है। मैं यहां करीब तीन सप्ताह से हूं। इंडिया-ए की ओर से खेलते हुए ज्यादा रन नहीं बना पाया, लेकिन नेट्स में काफी समय बिताया और यह समझने की कोशिश की कि यहां रन कैसे बनाए जा सकते हैं। मेरे पास स्पष्ट योजनाएं थीं। जब आप मेहनत करते हैं, तो उसका नतीजा प्रदर्शन में दिखाई देता है।

न्यूजीलैंड में यह राहुल का पहला टेस्ट मैच था।

सैंडपेपर कांड पर फिर गरमाई चर्चा: पूर्व कोच लेहमैन बोले- मुझे नहीं पता था

एजेंसी, सिडनी।

ऑस्ट्रेलिया टीम के पूर्व मुख्य कोच डेरेन लेहमैन ने 2018 के चर्चित सैंडपेपर विवाद को लेकर एक बार फिर अपनी सफाई दी है। लेहमैन ने दोहराया है कि उन्हें दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान गेंद से छेड़छाड़ की योजना के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस विवाद के बाद का समय उनके जीवन का बेहद कठिन दौर था और इससे उबरने में उन्हें तीन से चार साल लग गए। लेहमैन का यह बयान उस समय सामने आया है, जब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के 'हम सभी को पता था' वाले दावे के बाद सैंडपेपर विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है।

'2018 में जो हुआ, उस पर मेरा पक्ष आज भी वही है'

इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले से पहले एबीसी रेडियो से बातचीत में लेहमैन ने कहा कि 2018 में जो कुछ हुआ, उसे लेकर उनका पक्ष आज भी नहीं बदला है। उन्होंने कहा, '2018 में जो कुछ हुआ, उसे लेकर मेरा पक्ष आज भी वही है। वह बेहद खराब समय था। हमने कई गलतियां कीं और सभी से गलतियां हुईं। लेकिन मेरा पक्ष आज भी वही है।' साल 2018 में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान केपटाउन टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों पर गेंद से छेड़छाड़ करने का आरोप लगा था। इस मामले में कैमरन बैनक्रॉफ्ट को सैंडपेपर से गेंद की सतह खुरचते हुए कैमरे में कैद किया गया था। विवाद के बाद स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर पर एक साल, जबकि बैनक्रॉफ्ट पर नौ महीने का प्रतिबंध लगाया गया था।

कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने लेहमैन पर लगाए थे गंभीर आरोप

हाल ही में कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने अपने करीब 4000 शब्दों के लेख में दावा किया था कि गेंद को रिवर्स स्विंग कराने को लेकर ड्रेसिंग रूम में बातचीत हुई थी, जिसमें तत्कालीन गेंदबाजी कोच डेविड सेकर और मुख्य कोच डेरेन लेहमैन भी मौजूद थे। बैनक्रॉफ्ट के मुताबिक, उस बातचीत के दौरान डेविड वॉर्नर ने गेंद की एक तरफ को खुरदरा बनाने के लिए सैंडपेपर इस्तेमाल करने का सुझाव दिया था।

हालांकि, लेहमैन ने इस बातचीत में अपनी मौजूदगी याद होने से इनकार किया। उन्होंने कहा, 'मुझे याद नहीं है कि मैं उस बातचीत में मौजूद था या नहीं। लेकिन यह साढ़े आठ साल पुरानी बात है। आपको उन लोगों से पूछना होगा। मेरा अपना पक्ष है और मैं उसी पर कायम हूं।'

'कोच होने के नाते मैं भी जिम्मेदार था'

लेहमैन ने विवाद की जिम्मेदारी से पूरी तरह पल्ला झाड़ने के बजाय कोच के तौर पर अपनी भूमिका स्वीकार की। उन्होंने कहा कि रिवर्स स्विंग के लिए गेंद को जमीन पर गिराना या उसकी सतह को खुरदरा करना क्रिकेट में लंबे समय से होता आया है, लेकिन 2018 में चीजें हद से आगे निकल गई थीं।

सलमान खान: क्या 'बजरंगी भाईजान' और 'दबंग' के बनेंगे सीक्वल?



बॉलीवुड स्टार सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। वहीं 'बजरंगी भाईजान' और 'दबंग' उनकी पॉपुलर फिल्मों में शामिल हैं। अब 'मातृभूमि' के प्रमोशंस के बीच सलमान ने इन दोनों फिल्मों के सीक्वल पर बड़ा अपडेट शेयर किया है।

'दबंग' का सीक्वल जरूर आएगा

दरअसल, एक इवेंट के दौरान सलमान खान से पूछा गया कि क्या वह अपनी हिट फिल्मों 'दबंग' और 'बजरंगी भाईजान' के सीक्वल बनाने का प्लान बना रहे हैं। इस पर अभिनेता ने जवाब दिया, 'कुछ अलग करेंगे, कुछ नया करेंगे।' जब सलमान से इस बारे में और पूछा गया तो उन्होंने 'दबंग' के अगले पार्ट को लेकर कहा, "दबंग' का तो आ ही जाएगा। 'दबंग' क्योंकि हमारे हाथ में है।'

'बजरंगी भाईजान' के सीक्वल पर सलमान ने कही ये बात

वहीं, 'बजरंगी भाईजान' के दूसरे पार्ट की संभावना पर सलमान ने साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'बजरंगी का देखो, ऐसा है, उसके ऊपर कोई फिल्म बनाना, मुझे नहीं लगता कि यह संभव है, खासकर इमोशनल रूप से। इसलिए वो करना ही नहीं है, जहां पर फर्स्ट एंड सेकंड फिल्म का कंपैरिजन हो और लोग बोलें कि सेकंड में मजा नहीं आया। इसलिए मुझे नहीं लगता 'बजरंगी भाईजान' बनेगी।'

कर्नल संतोष बाबू के किरदार में दिखेंगे सलमान

फिल्म 'मातृभूमि' में सलमान खान भारतीय सेना के कर्नल बी. संतोष बाबू का किरदार निभा रहे हैं। वह 16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर थे और साल 2020 में गलवान घाटी में भारतीय सैनिकों का नेतृत्व कर रहे थे।

उनके अदम्य साहस और बलिदान के लिए उन्हें मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

फिल्म में सलमान और चित्रांगदा सिंह के अलावा मुकेश ऋषि, अंकुर भाटिया, जेन शॉ और अभिलाष चौधरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं, अभिनेता विजय राज फिल्म में कहानी सुनाने वाले की आवाज देंगे। फिल्म 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कालाः कोयला माफिया की कहानी में नजर आएंगे सिद्धांत चतुर्वेदी

सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही सीरीज 'काला' में अभिनय करते नजर आएंगे। सूत्रों के मुताबिक सीरीज की शूटिंग का काम जारी है। यह किरदार एक्टर के बाकी किरदारों से काफी अलग होगा। फिल्म की शूटिंग पुणे में हो रही है। पढ़िए क्या है सीरीज में खास....

क्या है 'काला' की कहानी?

सिद्धांत चतुर्वेदी आगामी दिनों में एक एक्शन ड्रामा सीरीज में दिखाई देंगे। अमर उजाला को मिली जानकारी के मुताबिक वह जल्द भी सीरीज 'काला' से फैंस का मनोरंजन करेंगे। इस सीरीज की कहानी झारखंड के कोयला माफिया पर आधारित है। इसकी शुरूआत 1960 के दशक से होगी।

कहानी में कई दशकों के दौरान कोयले के कारोबार में आए बदलाव, अपराध और उससे जुड़ी राजनीति को दिखाया जाएगा। इस सीरीज में वह अहम भूमिका निभाई रहे हैं। सीरीज का निर्देशन अभिषेक चौबे कर रहे हैं। वहीं इसका निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले हो रहा है।

विकास बहल के साथ दूसरी फिल्म

सिद्धांत ने हाल ही में विकास बहल की फिल्म 'बोलो बोलो बोले' का ब्रिटेन में शूटिंग खत्म की है। विकास के साथ यह उनकी दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों 'दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग' में साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म में सिद्धांत के साथ वामिका गब्बी और जया बच्चन नजर आएंगी। 'बोलो बोलो बोले' की कहानी 1990 के दशक के ब्रिटेन की है। फिल्म में उस दौर में पंजाबी



संगीत के बढ़ते चलन को दिखाया जाएगा। सिद्धांत इसमें ढोल बजाने वाले कलाकार की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, अलिजेह अग्निहोत्री गायिका के किरदार में हैं। जिम्मी शेरगिल और मोना सिंह भी फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म को 2027 में रिलीज करने की तैयारी है।

इस बायोपिक में नजर आएंगे एक्टर इस सब के अलावा अभिनेता सिद्धांत चतुवेदी दिग्गज फिल्मकार वी. शांताराम की जीवनी पर बन रही फिल्म में भी नजर आएंगे।। इसमें वह वी. शांताराम की भूमिका निभाएंगे। फिल्म में तमन्ना भाटिया भी हैं। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट या बाकी जानकारी अभी सामने नहीं आई।

'मैं बिल्कुल जम गई थी', फिल्म के सेट पर मौत के मुंह से बची थीं काजल अग्रवाल

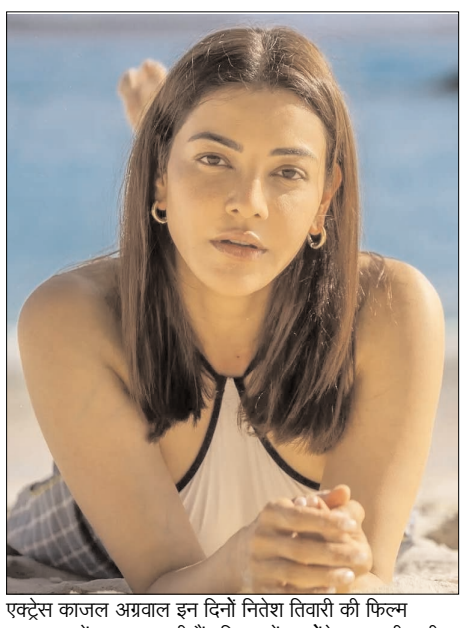

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल इन दिनों नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में नजर आ रही हैं। फिल्म में उन्होंने रावण की रानी मंदोदरी का किरदार निभाया है। अब इस बीच काजल ने फिल्म 'इंडियन 2' से जुड़ा एक काफी भयानक किस्सा शेयर किया है।

'इंडियन 2' के सेट पर हुआ था भयानक हादसा

ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे को दिए इंटरव्यू में काजल अग्रवाल ने फरवरी 2020 की उस रात को याद किया, जब निर्देशक शंकर की फिल्म 'इंडियन 2' की शूटिंग के दौरान एक भारी क्रेन गिर गई थी। चेन्नई के ईवीपी फिल्म सिटी में हुए इस हादसे में तीन क्रू मेंबर्स की मौत हो गई थी, जबकि कई लोग घायल हुए थे। उस समय काजल अग्रवाल और अभिनेता कमल हासन भी सेट पर मौजूद थे।

इस घटना को याद करते हुए काजल ने बताया, 'सबसे पहले मेरी जान जानी चाहिए थी। आमतौर पर फिल्मों के सेट पर कलाकार मॉनिटर के पास बैठते हैं और उस दिन भी हम वहीं बैठे थे। मैं एक फाइट सीन के लिए 80 साल की बुजुर्ग महिला के लुक में तैयार थी। जब सेट पर अचानक अफरा-तफरी मची और सभी लोग भागने लगे, तो मैं भी वहां से भागी।'

'मेरी तरफ गिर रही थी 100 फीट ऊंची क्रेन'

काजल ने आगे बताया, 'अचानक मेरे मन में आया कि मैं क्यों भाग रही हूं, मुझे पीछे मुड़कर देखना चाहिए कि आखिर हो क्या रहा है। जैसे ही मैंने पीछे देखा, मुझे 100 फीट ऊंची क्रेन अपनी तरफ गिरती हुई दिखाई दी। सब कुछ एक सेकंड के छोटे से हिस्से में हुआ। उसे अपनी तरफ गिरते देखकर मैं बिल्कुल जम गई थी। मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है।' अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ, जैसे किसी अदृश्य शक्ति ने उन्हें क्रेन के रास्ते से खींचकर दूर कर दिया हो। क्रेन उनके बेहद करीब आकर गिरी थी। इस हादसे के बाद वह काफी डर गई थीं और कई दिनों तक इस घटना को समझने की कोशिश करती रहीं।

हादसे के बाद भगवान कृष्ण पर बढ़ा विश्वास

काजल ने बताया कि इस हादसे से सुरक्षित बचने के बाद उनके मन में भगवान कृष्ण के प्रति आस्था और गहरी हो गई। उन्हें लगा कि किसी अदृश्य शक्ति ने उस दिन उनकी जान बचाई है। इस घटना ने उनकी जिंदगी को देखने का नजरिया भी बदल दिया।

रश्मिका मंदाना ने 29 साल पुराने गाने को दिया नया अंदाज

साउथ सिनेमा में कुछ फिल्में और उनके गाने ऐसे होते हैं, जो वक्त के साथ पुराने नहीं पड़ते, बल्कि हर पीढ़ी के दिलों में अपनी खास जगह बनाए रखते हैं। ऐसा ही एक नाम है 1997 में रिलीज हुई फिल्म 'ओसे रामुलम्मा' का। इस फिल्म में विजयशांति ने अपने दमदार अभिनय से न सिर्फ दर्शकों का दिल जीता था, बल्कि एक ऐसी महिला का किरदार पर्दे पर उतारा था, जो अन्याय और शोषण के खिलाफ आवाज उठाती है।

फिल्म का टाइटल सॉन्ग भी देखते ही देखते महिला सशक्तिकरण और प्रतिरोध की पहचान बन गया। अब करीब 29 साल बाद इस आइकॉनिक गाने को एक बार फिर नए अंदाज में पेश किया गया है। खास बात यह है कि इसे रश्मिका मंदाना की अपकमिंग फिल्म 'मायसा' के लिए रीक्रिएट किया गया है। गाने को लेकर रश्मिका ने अपनी घबराहट और इसे दोबारा बनाने की जिम्मेदारी पर खुलकर बात की।

गाना रीक्रिएट करने की बात सुनकर डर गई थीं रश्मिका?

हैदराबाद में शुक्रवार को गाने के लॉन्च के दौरान रश्मिका ने कहा कि जब निर्देशक रवींद्र पुल्ले ने उन्हें 'ओसे रामुलम्मा' को रीक्रिएट करने की बात बताई, तो वह डर गई थीं। रश्मिका ने कहा, 'जब रावी सर ने बताया कि हम 'ओसे रामुलम्मा' गाने को रीक्रिएट करने जा रहे हैं, तो मैं बहुत डर गई थी। यह एक आइकॉनिक फिल्म का आइकॉनिक गाना है। इसे दोबारा बनाना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। बेशक, हम ओरिजिनल की बराबरी नहीं कर सकते, लेकिन हमें खुशी है कि हमने इसके साथ न्याय करने की कोशिश की है।'

रश्मिका ने इस गाने के लिए ओरिजिनल सिंगर और कंपोजर वंदेमातरम श्रीनिवास का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि श्रीनिवास के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने के बाद उन्हें काफी राहत मिली। एक्ट्रेस ने विजयशांति को भी याद किया और उनके प्रति अपना प्यार जाहिर करते हुए कहा कि वह चाहती थीं कि विजयशांति इस मौके पर मौजूद रहतीं।

रश्मिका ने इसे उनके लिए एक छोटा-सा ट्रिब्यूट बताया और उम्मीद जताई कि उन्हें यह गाना पसंद आएगा।

एक्ट्रेस ने जताई ये उम्मीद

एक्ट्रेस ने यह भी उम्मीद जताई कि दर्शक इस नए वर्जन को ओरिजिनल गाने जितना नहीं, तो कम से कम थोड़ा प्यार जरूर देंगे। रश्मिका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी गाने को लेकर अपनी भावनाएं जाहिर कीं।

उन्होंने लिखा कि कुछ गाने कभी पुराने नहीं होते और 'ओसे रामुलम्मा' भी उन्हीं में से एक है। उनके मुताबिक, रामुलम्मा का किरदार जिस ताकत, हिम्मत और अन्याय के खिलाफ खड़े होने के जज्बे को दिखाता है, वह बेहद खास है। उन्होंने विजयशांति और वंदे मातरम श्रीनिवास को इस विरासत का श्रेय दिया।

क्या थी 'ओसे रामुलम्मा' की कहानी?

1997 में रिलीज हुई दसारी नारायण राव की फिल्म 'ओसे रामुलम्मा' तेलंगाना के एक सामंती गांव की कहानी थी। फिल्म में विजयशांति ने रामुलम्मा का किरदार निभाया था, जो महज 13 साल की उम्र में एक दबंग ऊंची जाति के जमींदार के शोषण का शिकार होती है। उसे और उसके बच्चे को मारने की कोशिश की जाती है, लेकिन नक्सलियों की मदद से उसकी जान बच जाती है। आगे चलकर जब उसके साथ फिर शोषण की कोशिश होती है और एक हत्या हो जाती है, तो रामुलम्मा अन्याय के खिलाफ लड़ने के लिए नक्सली आंदोलन से जुड़ जाती है।

फिल्म में तेलंगाना के प्रतिरोध, महिला सशक्तिकरण और अपने अधिकारों के लिए लड़ने जैसे मुद्दों को उठाया गया था। इसका टाइटल सॉन्ग भी तेलंगाना की लोक परंपराओं और विद्रोह की भावना से जुड़ा था। धीरे-धीरे यह गाना महिला सशक्तिकरण, जातिगत भेदभाव और सामंती शोषण के खिलाफ आवाज उठाने का प्रतीक बन गया। उस दौर में जब मुख्यधारा की तेलुगु फिल्मों में ज्यादातर कहानियां आंध्र प्रदेश की पृष्ठभूमि पर केंद्रित थीं, तब 'ओसे रामुलम्मा' ने तेलंगाना की जमीनी हकीकत को पर्दे पर दिखाया।

इस फिल्म ने तेलुगु सिनेमा में महिला किरदारों को पेश करने का तरीका भी बदला। उस दौर में जहां अभिनेत्रियां अक्सर रोमांटिक किरदारों या मुश्किल में फंसी महिला के रूप में नजर आती थीं, वहीं विजयशांति ने एक ऐसी नायिका का किरदार निभाया जो खुद अपने हक के लिए लड़ती है और अन्याय के खिलाफ खड़ी होती है।

ओसे रामुलम्मा' की राह पर 'मैसा'?

रश्मिका मंदाना की फिल्म 'मैसा' की कहानी भी एक ऐसी ही महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अन्याय के खिलाफ खड़ी होती है। फिल्म में रश्मिका गोंड आदिवासी महिला के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म के अब तक सामने आए प्रमोशनल मटीरियल से इसकी कहानी में संघर्ष, विद्रोह और अपने अधिकारों की लड़ाई की झलक मिलती है। ऐसे में 'ओसे रामुलम्मा' के गाने को रीक्रिएट करना फिल्म के विषय से भी जुड़ा हुआ नजर आता है। 'मैसा' 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

